केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 238 मंगलवार 19 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

डीआईजी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

विकमजोत (बस्ती)। परसरामपुर थानाक्षेत्र के रानीपुर गांव निवासी चंद्रभान पुत्र अयोध्या प्रसाद ने सोमवार को बस्ती मुख्यालय पर डीआईजी बस्ती को शिकायत पत्र देकर अपनी लापता बेटी को बरामद करने की फरियाद किया है। शिकायतकर्ता चंद्रभान ने बताया कि 1 मार्च को 18 वर्षीय बेटी स्वाती दोपहर 11 बजे बाजार गयी थी देर शाम तक नहीं लौटने पर परेशान परिजनों ने खोजबीन किया तो पता चला बस्थनवा गांव निवासी हरिओम पुत्र श्याम लाल ने बहला–फुसलाकर कर कहीं ले गया है। 8 मार्च को परसरामपुर थाने में आरोपी हरिओम के खिलाफ धारा 366 अपहरण का मुकदमा दर्ज हुआ लेकिन स्थानीय पुलिस राजनैतिक संरक्षण मे आरोपी को न तो गिरफ्तार कर रही है न ही अपहृत लड़की बरामद हो सकी है। परिजनों ने लापता लड़की के हत्या की आशंका जताते हुए डीआईजी बस्ती से गम्भीरता पूर्वक कार्यवाही की मांग किया। मिली जानकारी के अनुसार डीआईजी बस्ती ने परसरामपुर पुलिस को अपहरण कर्ताओं के खिलाफ कडी कार्रवाई व लापता लड़की को बरामद करने के निर्देश दिए हैं।

आर्य समाज के 105वें वार्षिक उत्सव में ज्ञान की वर्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आर्य समाज गांधी नगर बस्ती का 105वां वार्षिक उत्सव आर्य समाज मंदिर के प्रांगण में दि0 16 से 18 मार्च 2024 तक मनाया गया। जिसमें आर्य जगत के सुप्रसिद्ध महोपदेशक आचार्य सुरेश जोशी एवं आचार्या रुविमणी भजनोपदेशिका बाराबंकी, पं0 नेम प्रकाश त्रिपाठी भजनोपदेशक लखनऊ व स्थानीय भजनोपदेशक सत्येन्द्र वर्मा मंचासीन होकर वैदिक ज्ञान की वर्षा किए। कार्यक्रम सत्येन्द्र वर्मा भजनोपदेशक ने भोजपुरी गीत 'चली अब सुनी ज्ञान सत्संगवा की आर्य समाज बोलौले बाय' प्रस्तुत किया जिसे श्रोता गण दुहराते रहे।

पं0 नेम प्रकाश त्रिपाठी ने स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन पर गीत सुना कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आचार्या रुविमणी ने 'सारे जहां के वाली तेरी महिमा अजब निराली किसी ने तेरा भेद न पाया है' जैसे सुन्दर भजनों से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। लोग खुशी से झूमते नजर आए। अंत में आचार्य जोशी ने शिक्षा और संस्कार विषय पर बताया कि गुरुकुल शिक्षा पद्धति में शिक्षा और संस्कार दोनों दिए जाते थे परन्तु आज जो स्कूल हैं, ईसा का कूल हो गया है जिसमें शिक्षा तो दी जाती है पर संस्कार नहीं। आचार्य जोशी जी ने लोगों को परिवार कल्याण की चर्चा करते हुए कहा कि बच्चों को संस्कार माता–पिता द्वारा आवश्यक रूप से दी जानी चाहिए।हमारे देश में शिक्षा और संस्कार पाने लोग विदेशों से आते थे तभी भारत जगत गुरु कहलाता था। आचार्य जोशी के इस प्रवचन पर श्रोतागण खूब ध्यानावस्थित होकर कथा का श्रवण किए। कार्यक्रम के अंतिम दिन देव यज्ञ, भजन प्रवचन, पं० नेम प्रकाश त्रिपाठी द्वारा धनुर्विद्या की विशेष प्रस्तुति रही। तत्पश्चात ब्रम्ह यज्ञ, भजन प्रवचन के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन शान्ति पाठ एवं जयघोष उपरांत की गई।

सभा में आर्य समाज टांडा, खलीलाबाद,मगहर, लालगंज,मुंडेरवा, रेलवे स्टेशन बस्ती, डुमरियागंज, कलवारी आदि से काफी लोग व स्थानीय धर्म प्रेमी माताएं बहनें व श्रोतागण उपस्थित रहे। लोगों ने यह भी कहा कि आर्य समाज के विचारों से ही सनातन धर्म सुरक्षित एवं संरक्षित किया जा सकता है।सभा का कुशल संचालन मंत्री राधेश्याम सिंह ने किया।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश, स्टेट बैंक को देनी होगी चुनावी चंदे की पूरी जानकारी

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई पर एक बार फिर सख्ती दिखाते हुए तीखी टिप्पणी की है। इलेक्टोरल बॉन्ड मामले की सुनवाई कर रही बेंच के अध्यक्ष सीजीआई डीवाई चंद्रचूड़ ने एसबीआई से कहा कि कोई भी जानकारी छिपाई नहीं जा सकती। इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी हर एक जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। बता दें कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को बॉन्ड के यूनिक नंबर बताने के लिए सोमवार तक का ही समय दिया था। कोर्ट ने पूछा था कि जब इलेक्टोरल बॉन्ड की सूची दी गई तो आखिर इसमें यूनिक नंबर क्यों नहीं बताए गए? सुनवाई के दौरान सीजेआई ने एसबीआई से कहा कि आखिर अब तक पूरी जानकारी दी क्यों नहीं गई?

सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, फैसले में साफ–साफ बता दिया गया था कि इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़े सारे आंकड़े बैंक दे जाने हैं। इसमें सिलेक्टिव होने की गुंजाइश नहीं थी। उन्होंने कहा कि हर हाल में एसबीआई को कोर्ट के आदेश का पालन करना होगा। एसबीआई की तरफ से वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे पेश हुए थे। उन्होंने कहा कि थोड़ा मौका दिया जाए ताकि आदेश को ठीक से समझाया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई पर सख्ती जताते हुए कहा कि एसबीआई 21 मार्च को एक हलफनामा भी दायर करना होगा जिसमें बताना पड़ेगा कि उसने पास में उपलब्ध कोई जानकारी छिपाई नहीं है। इसके अलावा तुरंत चुनावी बॉन्ड के नंबर चुनाव आयोग को दे दिए जाएं जिससे उन्हें वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके। कोर्ट ने कहा, एसबीआई को हर जानकारी शीर्ष न्यायालय को देनी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हर चीज के लिए हमारे आदेश पर निर्भर रहना ठीक नहीं है।

बता दें कि फरवरी में ही सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड की स्कीम को रद्द करते हुए एसबीआई को आदेश दिया था कि वह सारा डेटा चुनाव आयोग को सौंपे और इसके बाद इसे सार्वजनिक किया जाए। हालांकि एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट से इसके लिए समय बढ़ाने की मांग की। इसके बाद कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि आखिर 26 दिनों से क्या किया जा रहा है।

डॉ. विवेक को ज्योतिष विज्ञान के क्षेत्र में योगदान के लिये सम्मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई के रेडियो क्लब निकट ताज होटल होटल में ज्योतिष विद्या पर आधारित कार्यक्रम में बाल्यावस्था से ही ज्योतिष विज्ञान का ज्ञान प्राप्ति के मार्ग पर अग्रसर बस्ती निवासी डॉ. विवेक को मुंबई रेडियो क्लब में स्टार प्रो द्वारा आयोजित कार्यक्रम में योगदान के लिये सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार फिल्म अभिनेत्री भूमिका चावला, प्रोड्यूसर राजीव शर्मा ,अभिनेत्री सहनाज, आर्गनाइजर मीनू शर्मा ने प्रदान किया।

डॉ. विवेक ने बताया कि इसके पूर्व एशियन फेडरेशन और स्टार एचीव एवार्ड संस्था द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में उन्हें युवा

-फिल्म अभिनेत्री भूमिका चावला ने किया सम्मानित

'युवा एस्ट्रोलाजर' सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. विवेक ने बताया कि ज्योतिष विज्ञान के क्षेत्र में अपार संभावनायें हैं और इस विधा से रोगों का उपचार, प्रारम्भिक चेतावनी, पृथ्वी पर होने वाली सम सामयिक घटनाओं की सटीक जानकारी संभव है। ज्योतिष विशुद्ध विज्ञान है और समाज हित में इस ज्ञान का उपयोग कर मानव जीवन को नये आधार दिये जा सकते हैं। इस दिशा में शोध कार्य निरन्तर जारी है। बताया कि ऐसे पुरस्कारों से और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

पशुपालक की सिर कूंचकर हत्या

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर के पशुपालक की सिर कूचकर हत्या कर दी गई। राजकुमार (28) पुत्र रामवृक्ष सूअर पालन के साथ ही ऑटो रिक्शा चलवाता था। उसकी पत्नी ने पैसों के लेनदेन को लेकर हत्या का आरोप लगाया है। सोमवार की सुबह हत्या की सूचना पर सीओ रुधौली सत्येंद्र भूषण तिवारी, थानाध्यक्ष लालगंज सुनील कुमार गोंड मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू कर दी।

परिजनों के अनुसार राजकुमार गांव में ही स्थित सुअरबाड़ा के पास पुलिया पर रखवाली के मकसद से रोज सोता था। रविवार की रात पड़ोस के पलहिया गांव में अपने दो–तीन दोस्तों के साथ उसने पार्टी की थी। रात में इस्माइलपुर स्थित अपने सूअर बाड़े के पास स्थित पुलिया पर सो गया था। सोमवार की सुबह राजकुमार का ऑटो लेकर पहुंचे चालक झिनकू की सबसे शव पर नजर पड़ी। उसने राजकुमार के छोटे भाई रवि को हत्या की सूचना दी। मृतक की पत्नी ने बताया कि कुछ समय पहले उनके पति ने दो जानवर बेचे थे। जिसका 38 हजार रुपया बकाया था। खरीदार पैसा देने में आनाकानी कर रहे थे, जिसे लेकर फोन पर कहासुनी हुई थी। उन्हें आशंका है कि इसी वजह से हत्या की गई होगी। मौके पर पहुंची पुलिस अन्य लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

पेड़ काट ले गये चोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रेलवे स्टेशन बभनान के सर्कुलेटिंग एरिया में चोरी से पेड़ काटकर गिरा दिया गया। सूचना पर पहुंची आरपीएफ बभनान ने कटर सहित दो लोगों को हिरासत में लिया। साथ ही आरपीएफ ने इसकी सूचना आईओडब्लू बस्ती को दी।

सोमवार की सुबह बभनान रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर–दो के पीछे रेलवे की जमीन में खड़े यूकेलिप्टस के पेड़ को चोरी से काटकर गिरा देने का मामला प्रकाश में आया। सूचना मिलते ही आरपीएफ चौकी प्रभारी बभनान विश्वामित्र यादव फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल से पेड़ को काटने में प्रयोग किया गया। इलेक्ट्रॉनिक कटर के साथ दो लोगों को हिरासत में लिया। साथ ही घटना की सूचना आईओडब्लू बस्ती को दी। इस बाबत आरपीएफ चौकी प्रभारी बभनान विश्वामित्र यादव ने बताया कि काटकर गिराया गया पेड़ मौके पर पड़ा है। कटर सहित दो लोगों को पूछताछ के लिए बैठाया गया है। पेड़ रेलवे की जमीन में है। इसका निर्धारण आईओडब्लू स्तर से किया जाना है। इसकी सूचना आईओडब्लू बस्ती को दे दी गई है।

आजम खान को सात साल की सजा

रामपुर (आभा)। रामपुर के चर्चित डूंगरपुर मामले में भी सपा नेता आजम खान को सजा सुना दी गई है। अदालत ने आजम खान को सात साल की सजा और सात लाख रुपए जुर्माना लगाया है। विशेष कोर्ट ने आजम खान को घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़, गाली गलौज और जान से मारने की धमकी के मामले में दोषी करार दिया था। इससे पहले बेटे के फर्जी प्रमाण पत्र मामले में आजम खान को सात साल की सजा सुनाई जा चुकी है। हेट स्पीच मामले में भी आजम खान को दो साल की सजा हो चुकी है। आजम खान फिलहाल सीतापुर जेल में बंद हैं।आजम खान के साथ ही आज रिटायर्ड सीओ आले हसन, पूर्व पालिकाध्यक्ष अजहर अहमद खां और ठेकेदार बरकत अली को भी सात–सात साल की सजा सुनाई गई है।

सपा सरकार में डूंगरपुर में विभागीय योजना के तहत आसरा आवास बनाए गए थे। इस स्थान पर पहले से ही कुछ मकान बने हुए थे। जमीन को सरकारी बताते हुए 2016 में मकानों को ध्वस्त कर दिया गया था। भाजपा सरकार आने पर जब आजम खान पर शिकंजा कसा गया तो 2019 में डूंगरपुर निवासी एहतशाम खां ने गंज कोतवाली में आजम खान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी थी।

केस की सुनवाई एमपी–एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) में चला। अदालत ने आजम खां, अजहर खां, आले हसन, बरकत अली को धारा 495, 412, 452, 504, 506, 427 और 120 बी में दोषी करार दिया था। सभी धाराओं में आजम खान और अन्य तीनों लोगों को अलग अलग सजा सुनाने के साथ ही अलग अलग जुर्माना भी लगाया गया है।

बसपा सांसद संगीता आजाद भाजपा में शामिल

लखनऊ (आभा)। आजमगढ़ की लालगंज सीट से बसपा सांसद संगीता आजाद को भाजपा में शामिल कर लिया गया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या लालगंज से संगीता आजाद का टिकट फाइनल हो गया है। इससे पहले संगीता आजाद ने पीएम मोदी से भी मुलाकात की थी। उसके बाद से ही संगीता आजाद के भाजपा में शामिल होने की अटकलें लग रही थीं।

संगीता आजाद के साथ ही उनके पति पूर्व विधायक आजाद अरिमर्दन भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। बसपा को झटका एडवोकेट सीमा कुशवाहा ने भी दिया है। सीमा कुशवाहा भी भाजपा में शामिल हो गई हैं। सीमा कुशवाहा यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बसपा में शामिल हुई थीं। पहले दिल्ली के निर्भया कांड और फिर हाथरस के रेप कांड से सीमा कुशवाहा चर्चा में आई थीं। संगीता आजाद और सीमा कुशवाहा को यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की उपस्थिति में संगीता, सीमा और अरिमर्दन को भाजपा की सदस्यता दिलाई गई।

संगीता आजाद के भाजपा की सूची जारी होने से ठीक पहले बीजेपी में शामिल होने से लालगंज से उनके टिकट की अटकलें तेज रही हैं। भाजपा ने अभी तक लालगंज से किसी को प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। संगीता आजाद ने पिछली बार भाजपा की नीलम सोनकर को हराकर सांसद बनी थीं।

ब्लॉक स्तरीय जागरूकता सगोष्ठी ,उन्मुखीकरण कार्यशाला में नहीं पहुंचे ग्राम प्रधान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बहादुरपुर, (बस्ती)। विकास क्षेत्र बहादुरपुर के बेईली में स्थित एक मैरेज हाल में सोमवार को खंड शिक्षा अधिकारी बिनोद कुमार त्रिपाठी के संयोजन में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालय प्रबन्ध समिति अध्यक्ष, सचिव व ग्राम प्रधान की एक दिवसीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ खंड शिक्षा अधिकारी बिनोद कुमार त्रिपाठी व एसआरजी आशीष श्रीवास्तव नें मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित करते हुए किया। इस दौरान परिषदीय स्कूल की छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। उन्मुखीकरण कार्यशाला में ग्राम प्रधानों की उदासीनता साफ दिखी ब्लाक क्षेत्र के अधिकांश प्रधान इस कार्यशाला में नहीं पहुंचे। वहीं मुख्यातिथि खंड विकास अधिकारी आलोक कुमार पंकज व विशिष्ट अतिथि एडीओ पंचायत जय प्रकाश राय भी कार्यशाला को लेकर उदासीन दिखे और नहीं पहुंचे। कार्यशाला में डीबीटी, शारदा कार्यक्रम, कायाकल्प, निपुण भारत एवं मिशन प्रेरणा के अंतर्गत विद्यालयों में गुणवत्ता शिक्षा पर विचार विमर्श किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले और बच्चों को निपुण लक्ष्य हासिल कराने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन शिक्षक अमरेंद्र सिंह ने किया।

खंड शिक्षा अधिकारी बिनोद कुमार त्रिपाठी ने आये हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए एसएमसी अध्यक्ष एवं सचिव को समिति की क्रियाशीलता को सुदृढ़ करने का आवाहन किया और सभी प्रधानों से ग्राम पंचायतों में स्थित प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में 19 पैरामीटर्स को संतृप्त करने की अपील की। कहा कि शिक्षक व ग्राम प्रधान के समन्वय से परिषदीय विद्यालयों को सुन्दर और आकर्षक बनाया जा सकता है जिसमे आप सभी का योगदान अपेक्षित है।

इस दौरान मुख्यरूप से एसआरजी आशीष श्रीवास्तव, अंगद पाण्डेय, शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रमोद सिंह, अटल बिहारी उपाध्याय, विन्देश्वरी मिश्र, अम्बिका पाण्डेय, रीता शुक्ला, अतुल वर्मा, सूर्य प्रकाश शुक्ल, मनोज उपाध्याय, उमाशंकर, अमित चौधरी, जयप्रकाश चौधरी, रवींद्र पाण्डेय, अवधेश कुमार, सुमन सिंह, के साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षक, आंगनवाडी कार्यकत्री मौजूद रहे।

चुनाव तैयारियों में जुटा प्रशासनः दो दिन में बूथों का निरीक्षण कर लें अधिकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट की निष्पक्ष, स्वतंत्रपूर्ण मतदान में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसको गम्भीरता से लेते हुए सभी जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उक्त निर्देश जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने आडिटोरियम में प्रशिक्षण के दौरान दिया। उन्होने कहा कि सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट अगले दो दिनों में बूथ का निरीक्षण करके अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होने प्रशिक्षण में अनुपस्थित तीन जोनल तथा पॉच सेक्टर मजिस्ट्रेट का वेतन रोकने के साथ प्रतिकूल प्रविष्टि दिये जाने का निर्देश दिया है।

उन्होने कहा कि क्षेत्र में जाने पर संबंधित ग्राम पंचायत सचिव, कानूनगो, लेखपाल से सम्पर्क करें। उनसे स्थानीय रिपोर्ट प्राप्त करें। संबंधित एसडीएम, तहसीलदार तथा थानाध्यक्ष से मिलें। कम्युनिकेशन प्लान का सत्यापन करें। प्रत्येक बूथ पर आवश्यक सुविधाओं जैसे–पेयजल, बिजली, फर्नीचर, शौचालय, रैम्प एवं सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लें। बूथ की किटिकल एवं बरनरेबुल स्थिति की जानकारी लें। उन्होने निर्देश दिया कि निरीक्षण की गुणवत्तापूर्ण रिपोर्ट 22 मार्च को प्रातः 10.00 बजे उपलब्ध करायें।

उन्होने बताया कि बस्ती सदर विधानसभा के लिए उप जिलाधिकारी बस्ती शत्रुघ्न पाठक, कप्तानगंज के लिए ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शाहिद अहमद, हर्रैया के लिए एसडीएम विनोद कुमार पाण्डेय, रुधौली के लिए एसडीएम आशुतोष तिवारी तथा महादेवा के लिए एसडीएम सत्येन्द्र कुमार सिंह सहायक रिटर्निंग आफीसर नियुक्त किये गये है। उन्होने बताया कि मतदान के दिन ईवीएम तथा वीवीपैट की खराबी को ठीक करने के लिए प्रत्येक विधानसभा में चार इंजीनियर की तैनाती की जायेगी। उन्होने बताया कि 61–बस्ती लोकसभा क्षेत्र को 16 जोन तथा 126 सेक्टर में बाटा गया है। एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान पार्टी के सदस्यों का मानदेय सीधे उनके खाते में भेजा जायेगा। उन्होने यह भी बताया कि सभी जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट को अपने मोबाइल में वोटर टर्न आउट ऐप डाउनलोड करना होगा और प्रत्येक दो घण्टे पर इसके माध्यम से मतदान प्रतिशत भेजना होगा। उन्होने ईवीएम के रख–रखाव पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है। उन्होने बताया कि मतदान की समाप्ति पर बैलेट मतपत्र लेखा का फार्म 17सी प्रत्येक पोलिंग एजेंट को उपलब्ध कराना होगा। प्रशिक्षण के दौरान भूमि संरक्षण अधिकारी/सहायक प्रभारी कार्मिक डा. राजमंगल चौधरी ने जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट के दायित्व एवं कर्तव्य के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। इस अवसर पर सीडीओ जयदेव सीएस, एएसपी ओ0पी0 सिंह, डीडीओ अजय कुमार सिंह, उपायुक्त मनरेगा संजय शर्मा, सभी उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, जोनल एंव सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहें।

वाहन जांच के पूरी प्रकिया की होगी वीडियोग्राफी, चुनाव कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उड़नदस्ता टीम के सदस्य जॉच के दौरान नकद ध नराशि, अफीम, हिरोइन, गॉजा, कोकीन, ड्रग तथा शराब एवं आपत्तिजनक वस्तुओं के आवागमन पर प्रभावी निगरानी रखने के लिए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने टीम के सदस्यों को निर्देशित किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में उन्होने टीम में तैनात मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों का परिचय कराते हुए निर्देश दिया कि वाहन की जॉच के दौरान पूरी प्रकिया की वीडियोग्राफी होनी चाहिए। वाहन में बैठे लोगों के प्रति विनम्र एवं शालीन व्यवहार करें। महिला सवारी की जॉच किसी महिला पुलिस कर्मी द्वारा ही की जायेगी। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता एवं लापरवाही क्षम्य नही होगी। उन्होने बैठक में बिना किसी सूचना के अनुपस्थित मजिस्ट्रेट सुनील दत्त का वेतन रोकने एवं प्रतिकूल प्रविष्टि देने का निर्देश दिया है।

उन्होने निर्देश दिया कि इस दौरान आधिकारिक एवं अनाधिकारिक ढंग से समान का परिवहन किया जायेगा। यदि कोई व्यक्ति समुचित रसीद या उसके संबंधित कागज प्रदर्शित करता है, तो उसे नही रोकना है परन्तु यदि वह रसीद या कागज नही दिखा पाता है, तो इसकी सूचना तत्काल नोडल आफीसर/मुख्य कोषाधिकारी को देना होगा।

उन्होने बताया कि 61–बस्ती लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की पॉचों विधानसभा में निगरानी के लिए 15 उड़नदस्ता टीम तैनात की गयी है, जो 24वों घण्टे तथा रातोदिन क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर वाहन चेकिंग करेंगी। प्रत्येक विधानसभा के लिए तीन–तीन टीम गठित की गयी है, जो 8–8 घण्टे डियुटी करेंगी। क्षेत्र में उपलब्ध डाकबंगले में उनका कैम्प कार्यालय होगा। आम जनता के द्वारा टीम को सूचना प्रदान करने हेतु उनका मोबाइल नम्बर सभी तहसील, ब्लाक में बैनर लगाकर प्रदर्शित किया जायेगा।

एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र ने निर्देश दिया कि उड़नदस्ता टीम निर्धारित विधानसभा क्षेत्र से बाहर नही जायेगी। टीम के सभी सदस्य अपना मोबाइल नम्बर सदैव आन रखेंगे तथा किसी भी वक्त आवश्यकता पड़ने पर उन्हें निरीक्षण के लिए भेजा जा सकता है। उन्होने बताया कि टीम के मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी के आचरण की शिकायत होने पर उनके कार्यालय में अपील की जा सकती है।

अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि प्रत्येक टीम में एक पुलिस आफीसर तथा तीन कांस्टेबल तैनात किए गये है। पुलिस अधिकारी जॉच की प्रक्रिया मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में ही शुरू करेंगे। उन्होने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि जॉच के समय अपना आचरण एवं व्यवहार संयमित रखें।

नोडल अधिकारी/मुख्य कोषाधिकारी अशोक प्रजापति ने बताया कि माल पकड़े जाने की सूचना ईएसएमएस ऐप पर अपलोड किया जायेगा। 50 हजार रुपये से अधिक नकदी पाये जाने पर और श्रोत या साक्ष्य ना दिखाये जाने पर इस ऐप पर इंट्री की जायेगी तथा उसकी प्राप्ति रसीद संबंधित को दी जायेगी। 01 लाख रूपये तक की नकदी मिलने पर पार्टी कोषाध्यक्ष का एथार्टी लेटर प्रस्तुत ना करने पर ही इसे जब्त किया जायेगा। 10 हजार रूपये से अधिक का गिफ्ट, गैरकानूनी वस्तु, पोस्टर, पम्पलेट पाये जाने पर जब्ती की कार्यवाही की जायेगी। 10 लाख के ऊपर नकदी मिलने पर आयकर अधिकारी को सूचित किया जायेगा। 10 लाख से कम धनराशि होने पर पुलिस विभाग द्वारा सीजर की कार्यवाही की जायेगी।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 19 मार्च 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

लोकतंत्र का महापर्व

लोकसभा चुनाव के लिये स्वाभाविक रूप से राजनीतिक सरमर्मियां तेज हो गयी है। सत्ता और विपक्ष दोनों अपने–अपने तरीके से मतदाताओं को लुभाने, उन्हें अपने पक्ष में करने के साथ ही सकिय हो चुके हैं। यही नहीं आयाराम, गयाराम का सियासी खेल भी जोरों पर है। मतदाता किसके साथ खड़ा होगा इसके लिये तो इंतजार करना होगा किन्तु यह स्मरण रहे कि यह चुनाव 2019 से भिन्न है। विशेषकर चुनाव के समय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर चुनावी चंदे का जो सच सामने आने का सिलसिला शुरू हुआ है वह सत्तारूढ भाजपानीत गठबंधन की मुश्किलें बढा सकता है। यदि भाजपा ने चंदे का हिसाब जनता के समक्ष प्रस्तुत न किया तो मतदाताओं में गलत संदेश जायेगा क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदैव पारदर्शिता की बात करते हैं और कहते हैं कि न खाऊंगा न खाने दूंगा।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के महापर्व की घड़ी करीब आ गई है। देश में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ नयी सरकार बनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। निस्संदेह, चुनाव कार्यक्रम बेहद लंबा है और 19 अप्रैल से शुरू होकर एक जून तक चलेगा। बेशक, 18वीं लोकसभा के लिये चुनाव की प्रक्रिया बहुत लंबी है। एक अरब के करीब पहुंचते मतदाताओं के लिये सुचारू–शांतिपूर्ण मतदान की व्यवस्था करना आसान भी नहीं है। भौगोलिक जटिलताओं, बड़ी आबादी और कानून व्यवस्था के प्रश्न चुनावी प्रक्रिया को लंबा बनाते हैं। निस्संदेह, यह नेताओं व सरकार का पांच साल का रिपोर्ट कार्ड पेश करने का वक्त है। यह आसमान से तारे तोड़ लाने के वायदे करने का वक्त है। खामियों को दबाने और उपलब्धियों के बखान का वक्त है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण वक्त मतदाता के लिये है कि वह अच्छे–बुरे का फर्क करके तार्किक आधार पर अपने बेशकीमती मत का उपयोग करे। विडंबना ही है कि अमृतकाल से गुजरते देश में मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग विष और अमृत के भेद को पूरी तरह महसूस नहीं कर पाया है। भारतीय राजनीति में दागियों का दखल और धनबल का बढ़ता वर्चस्व यही बताता है कि हमारा मतदाता इन संवेदनशील मुद्दों के प्रति जागरूक नहीं हो पाया है। निश्चित रूप से मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो वोट डालने घर से नहीं निकलता। जो बड़ा तबका निकलता भी है वह भी धर्म, जाति,क्षेत्र और धनबल से रचे सम्मोहन से मुक्त नहीं हो पाता।

विचारणीय प्रश्न यह भी कि क्यों आज भी मतदाता मुफ्त की रेवड़ियों के मोहपाश में जकड़ा हुआ है। मतदाता अपने बेशकीमती वोट को छोटे प्रलोभनों के लिये क्यों जाया कर देता है। देश में पिछले दशकों में साक्षरता का स्तर ऊंचा हुआ है। निस्संदेह, गरीबी के आंकड़ों में काट–छांट के दावे सरकारों की तरफ से किये जाते रहे हैं। देश में गरीबी की उपस्थिति भी एक सत्य है। लेकिन साधनविहीनता का यह मतलब कदापि नहीं है कि हम छोटे–छोटे प्रलोभनों में फंसकर विवेकशील ढंग से मतदान न कर सकें। देश में उत्तर, दक्षिण में मतदाताओं के रुझान में भिन्नता भी एक मुद्दा रहा है, लेकिन लोकतंत्र में पारदर्शिता, शुचिता और योग्य प्रतिनिधियों का चयन एक सर्वकालिक सत्य है। सही मायनों में यह लोकतंत्र का महोत्सव राजनेताओं का नहीं, जनता का है। मतदाता को अपने वोट की कीमत समझकर इसे बदलाव के अस्त्र के रूप में प्रयोग करना चाहिए। उसे जातीय,धार्मिकता, क्षेत्रवाद और आर्थिक प्रलोभनों को सिरे से खारिज करके लोकतंत्र को समृद्ध बनाना चाहिए। उसे विचार करना चाहिए कि देश की जनप्रतिनिधि संस्थाओं में क्यों धनबलियों का वर्चस्व हो रहा है। क्यों आम आदमी अब चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है? क्यों जनप्रतिनिधि चुनाव जीतते ही अरबों में खेलने लगते हैं? यह विडंबना है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान उपहारों, शराब और नकदी के अंबार की बरामदगी इस संकट की ओर इशारा करती है कि अल्पकालिक लाभ के लिये कमजोर वर्ग के मतदाताओं को लुभाने के लिये सारे दांव चले जाते हैं। निस्संदेह, इक्कीसवीं सदी के भारतीय लोकतंत्र में इन प्रवृत्तियों पर अंकुश लगना चाहिए।

लोकसभा चुनाव में अस्तित्व बचाने का संघर्ष

–नीरज कुमार दूबे–

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों के लिए इस बार का आम चुनाव खास इसलिए है क्योंकि इसके परिणाम इन दलों के अस्तित्व के बचे रहने या खत्म होने का भी निर्धारण करने वाले हैं। जहां तक कांग्रेस की बात है तो भले वहां गांधी परिवार से अलग अध्यक्ष आ गया हो लेकिन पार्टी अब भी पूरी तरह गांधी परिवार के प्रभाव में काम कर रही है इसलिए तमाम प्रयास करने के बावजूद आगे नहीं बढ़ पा रही है। 2014 से कांग्रेस की हार का और नेताओं के पार्टी छोड़ने का जो सिलसिला शुरू हुआ है वह अनवरत जारी है।

देखा जाये तो पिछले दो लोकसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस एक बार फिर बेहद मुश्किल माने जा रहे चुनाव में उतर रही है। इस चुनाव में उसके सामने अस्तित्व बचाने की कड़ी चुनौती है क्योंकि एक बार उसका मुकाबला एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली शक्तिशाली भाजपा से है। कुछ ऐसी ही चुनौती आम आदमी पार्टी, वाम दलों और कई अन्य क्षेत्रीय दलों के लिए भी है। देखा जाये तो कांग्रेस का आजादी से पहले से लेकर पिछले दशक तक राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में बड़ा दबदबा था, लेकिन कुछ वर्षों से वह लगातार सिमटती जा रही है। अब वह केवल तीन राज्यों– कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में अपने दम पर सत्ता में है। यही नहीं, इस पर भी एक बड़ा सवालिया निशान है कि क्या वह 'इंडिया' गठबंधन की अगुवाई का दावा भी कर सकती है।

देखा जाये तो केंद्र में नरेंद्र मोदी के रहते पिछला दशक 138 साल पुरानी पार्टी के लिए बहुत मुश्किल भरा रहा। वह लोकसभा में विपक्ष के नेता के पद के लिए आवश्यक सीटें भी हासिल करने में विफल रही। कांग्रेस नेता पार्टी की गौरवशाली विरासत पर भरोसा करते हुए पतन के रुकने और फिर से खड़े होने की उम्मीद कर रहे हैं, हालांकि कई चुनौतियां उनके सामने खड़ी हैं। कांग्रेस पार्टी ने पिछले चुनाव में लड़ी गई 421 सीटों में से केवल 52 सीटें हासिल कीं, जिससे 2014 की तुलना में उसकी संख्या में थोड़ा सुधार हुआ जब उसने लड़ी गई 464 सीटों में से 44 सीटें हासिल की थीं। 2014 में 178 के मुकाबले 2019 में 148 कांग्रेस उम्मीदवारों ने अपनी जमानत गंवा दी।

हम आपको बता दें कि वर्ष 1984 में कांग्रेस के लिए शिखर तब आया जब उसने रिकॉर्ड 404 सीटें जीतीं। हालांकि उस जीत में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति की लहर एक बड़ा कारक रही थी। इसके बाद 1989 के आम चुनाव में कांग्रेस को 197 सीट, 1991 में 232, 1996 में 140, 1998 में 141, 1999 में 114, 2004 में 145 और 2009 में 206 सीटें मिलीं थीं। इसके बाद 2014 में कांग्रेस को 44 और 2019 के चुनाव में 52 सीटें मिलीं। वर्ष 2019 और 2014 के लोकसभा चुनावों में पार्टी के लिए हल्की उम्मीद की किरण यह थी कि उसने अपना मत प्रतिशत लगभग 19 प्रतिशत पर बनाए रखा, जिसे अब वह आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रही है। 2009 में, जब मनमोहन सिंह सत्ता में लौटे थे, तो पार्टी को 28.55 प्रतिशत मत मिले थे।

कांग्रेस में बिखराव का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ है जो थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। खास बात यह है कि इस बिखराव को रोकने के प्रयास भी नहीं किये जा रहे हैं। राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा जिस दिन शुरू की थी उस दिन से कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की संख्या में निरंतर वृद्धि होती रही जोकि यात्रा के समापन के बाद भी जारी है। शायद कांग्रेस इस बात को समझ चुकी है कि परिणाम क्या रहने वाले हैं इसलिए चुनाव प्रचार की औपचारिक शुरुआत से पहले ही ईवीएम पर निशाना साधना शुरू कर दिया है।

वहीं विपक्ष के अन्य दलों की बात करें तो दिल्ली और पंजाब में सत्तारुढ़ 'आप' ने करीब एक दशक में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल कर लिया है। वह आगामी लोकसभा चुनावों में अपने राजनीतिक पदविह्न का विस्तार करने की कोशिश करेगी। हम आपको बता दें कि आम आदमी पार्टी भी 'इंडिया' गठबंधन की एक प्रमुख घटक है। पार्टी बड़ी परीक्षा के लिए तैयार है और उसे अपने नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों और आबकारी नीति घोटाला मामले में अपने प्रमुख अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खतरे जैसी चुनौतियों से भी निपटना है। आप पंजाब (13 सीटें), दिल्ली (4), असम (2), गुजरात (2) और हरियाणा (एक सीट) में लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रही है। 17वीं लोकसभा में केवल पांच सांसदों तक सीमित रही आप विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा है। 2019 के चुनावों में अब तक की सबसे कम संख्या हासिल करने के बाद इस आम चुनाव में उनके लिए करो या मरो की स्थिति है।

दूसरी ओर, वामपंथी दलों के लिए भी यह लोकसभा चुनाव अस्तित्व बचाने की चुनौती वाला है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी–लेनिनवादी) लिबरेशन, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने पिछले कुछ चुनावों में अपने प्रदर्शन में लगातार गिरावट देखी है। वामपंथी दलों में भाकपा अपना राष्ट्रीय दर्जा खो चुकी है और माकपा राष्ट्रीय दल है, लेकिन उसका आधार भी सिकुड़ता जा रहा है। देखा जाये यह लोकसभा चुनाव वाम दलों के भविष्य के लिए भी निर्णायक रहने वाला है।

वहीं राष्ट्रीय जनता दल, भारत राष्ट्र समिति, एआईयूडीएफ, वाईएसआर कांग्रेस, तेलुगू देशम पार्टी, इंडियन नेशनल लोकदल, जननायक जनता पार्टी, पीडीपी, नेशनल कांफ्रेंस, झारखंड मुक्ति मोर्चा, शिवसेना और एनसीपी के दोनों गुट, एमएनएफ, जेडपीएम, सिरोमणि अकाली दल, अन्नाद्रमुक, बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव करो या मरो जैसी स्थिति वाले हैं। देखना होगा कि लोकसभा चुनावों में इन क्षेत्रीय दलों के हाथ कितनी सफलता लगती है।

अलग–थलग पड़ती बसपा

–राधिका रामसेशन–

बसपा का गठबंधन बनाने और तोडने का इतिहास रहा है, अकेले खड़े होने और एक सर्व–दलित पार्टी के रूप में एक ब्रांड विकसित करने के शुरुआती कदमों के बाद वह कहीं नहीं पहुंच पाई। इसके संस्थापक और विचारक, कांशीराम ने इस बारे में कोई शिकायत नहीं की कि उन्होंने सहयोगियों की तलाश क्यों की। 1993 में, जब बसपा ने यू.पी. विधानसभा चुनाव लडने और एक शक्तिशाली भाजपा का मुकाबला करने के लिए समाजवादी पार्टी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, तो उन्होंने ऑन रिकॉर्ड कहा, "मैंने मुलायम सिंह यादव (सपा के वास्तुकार) के साथ गठबंधन क्यों किया।

किसी पार्टी नेता के लिए यह दावा करना असाधारण साहस लगता है कि वह लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी, जबकि कार्ड उसके खिलाफ हैं। 15 जनवरी को, अपने जन्मदिन पर, जिसे कभी धूमधाम से मनाया जाता था, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि वह भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. या इंडिया ब्लॉक के साथ गठबंधन नहीं करेंगी, जो एक प्रकार के विपक्षी मोर्चे के रूप में लटका हुआ है। महीनों बाद मायावती सार्वजनिक रूप से सामने आईं, लेकिन घोषणा का उद्देश्य उन अफवाहों को खारिज करना था कि कांग्रेस उन्हें यू.पी. में इंडिया ब्लॉक का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित कर रही थी। हर मोर्चे को मजबूत करने, हर दरार को मजबूत करने और राजनीतिक स्थान पर कब्जा करने की कोशिश में, भाजपा ने क्षेत्रीय संस्थाओं को एन.डी.ए. में शामिल करने में कामयाबी हासिल की, जबकि जो अपरिहार्य लगती थीं, उन्हें त्याग दिया। खोखली हो चुकी कांग्रेस हवा में उड़ रहे कुछ तिनकों को मजबूती से पकड़कर यह उम्मीद कर रही है कि उनमें से एक या दो इंडिया ब्लॉक को सौभाग्य प्रदान कर सकते हैं। लड़ाई की उग्र प्रस्तावना इस बात से चिह्नित होती है कि दोनों खिलाडियों में से कौन, कांग्रेस या भाजपा, राज्य की पार्टियों को अपने पक्ष में करती है और प्रतीकात्मक और वास्तविक रूप से अपना आकार बढ़ाती है। निरूसंदेह, भाजपा कांग्रेस से काफी आगे है, क्योंकि एक बड़ी विडंबना यह है कि उसके नए और पुराने सहयोगी, स्वेच्छा से पकड़ बनाने की कोशिश कर रहे हैं, बिग ब्रदर द्वारा शामिल किए जाने और अपनी पहचान को कूड़ेदान में डालने के खतरे से बेपरवाह लगते हैं।

बसपा का गठबंधन बनाने और तोडने का इतिहास रहा है, अकेले खड़े होने और एक सर्व–दलित पार्टी के रूप में एक ब्रांड विकसित करने के शुरुआती कदमों के बाद वह कहीं नहीं पहुंच पाई। इसके संस्थापक और विचारक, कांशीराम ने इस बारे में कोई शिकायत नहीं की कि उन्होंने सहयोगियों की तलाश क्यों की। 1993 में, जब बसपा ने यू.पी. विधानसभा चुनाव लडने और एक शक्तिशाली भाजपा का मुकाबला करने के लिए समाजवादी पार्टी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, तो उन्होंने ऑन रिकॉर्ड कहा, "मैंने मुलायम सिंह यादव (सपा के वास्तुकार) के साथ गठबंधन क्यों किया। यदि हम अपने वोटों में शामिल हो जाते हैं, तो हम सरकार बनाने में सक्षम होंगे।" जो उन्होंने तब किया जब उन्होंने भाजपा को करारी शिकस्त दी। कांशीराम का तर्क यह था कि दलितों को दलीय राजनीति में अपनी संख्या (यू.पी. की आबादी का 20.7 प्रतिशत) का लाभ उठाना चाहिए और परिवर्तन लाने की स्थिति में रहना चाहिए।

फिर भी असहज एस.पी.–बी.एस.पी. समझौते में दलित पार्टी ने भूमिहीनों के लाभ के लिए भूमि विवादों में निर्णय लिया और कृषि श्रमिकों की मजदूरी में वृद्धि की। इस तरह की पहल ने बी.एस.पी. को उच्च जातियों के साथ कम और मध्यवर्ती जातियों जैसे जाटों और समृद्ध पिछड़ी जातियों के साथ अधिक सीधे संघर्ष में ला दिया। मंडल आयोग की रिपोर्ट के कार्यान्वयन और उदय के कारण सशक्तिकरण की भावना पैदा हुई। यादव नेताओं, मुलायम और लालू प्रसाद की अक्सर, दलितों के प्रति अवमानना, यादवों द्वारा उन पर लगातार हमलों में प्रकट होती थी, जबकि कांशीराम गठबंधन सरकार की जन–समर्थक नीतियों का श्रेय लेने की मुलायम की प्रवृत्ति और बी.एस.पी. विधायकों को अपने पाले में करने के उनके गुप्त कदम से नाराज थे। कांशीराम के लिए, मध्यवर्ती और पिछड़ी जातियों सामाजिक रूप से दलितों, विशेषकर जाटवों के लिए नीतियां बराबर थीं, जिनका शिक्षा और नौकरियों में वैधानिक आरक्षण के प्रमुख लाभार्थ्यों के रूप में नौकरशाही और पुलिस के ऊपरी क्षेत्रों में अच्छा प्रतिनिधित्व था।

इसलिए, 3 जून 1995 को, जब बसपा द्वारा सपा के साथ अपना समझौता समाप्त करने के बाद कांशीराम की शिष्या मायावती ने भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तो कांशीराम का औचित्य था, 'हम अपने राष्ट्रीय एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए भाजपा की मदद ले सकते हैं। हमारा मानना है कि ऊंची जातियां मध्यवर्ती जातियों की तुलना में सामाजिक परिवर्तन के लिए अधिक सक्षम होंगी।' सरकार अल्पकालिक थी लेकिन 1997 में, खंडित चुनावी फैसले के बाद, भाजपा की बदौलत एक बार फिर मायावती मुख्यमंत्री बनीं।

भाजपा को अपने कैडर को यह समझाने में असमर्थता हो सकती है कि बसपा को सपा से दूर रखने और दलित–हितैषी होने की अपनी छवि को फिर से बनाने का सबसे व्यावहारिक तरीका मायावती का 'संरक्षण' था। लेकिन इसके समर्थन से बसपा को इस हद तक मदद मिली कि अपने करियर के चरम पर, 2007 में मायावती ने एक समावेशी सामाजिक गठबंधन के माध्यम से अपना बहुमत हासिल कर लिया, जिसमें हर जाति और समुदाय को शामिल किया गया। 'सवर्णों' के खिलाफ बसपा के अपमानजनक नारे उनके राजनीतिक सहयोगी और वकील, सतीश मिश्रा द्वारा तैयार किए गए खाके के रूप में सामने आए, जिसे अक्षरशरूलागू किया गया।

'द इंडिया फोरम' में 2022 के एक पेपर में, राजनीतिक वैज्ञानिक गाइल्स वाघन्यर्स ने बी.एस.पी. पर अपनी थीसिस को अपने सामाजिक आधार को व्यापक बनाने की खोज के रूप में तैयार किया। वाघन्यर्स ने कहा कि लंबे समय से बसपा की रणनीति 'स्थानीय और अस्थायी जाति–आधारित गठबंधन बनाना' थी। यह रणनीति 'इक्विटी पर कुछ सैद्धांतिक स्थिति' पर आधारित नहीं थी, बल्कि 'सीटें जीतने के व्यवसाय को व्यक्तिगत राजनीतिक उद्यमियों तक पहुंचाने पर आधारित थी, जिन्होंने बसपा का टिकट प्राप्त करके राजनीति में निवेश करना चुना'। व्यावहारिक रूप से हर निर्वाचन क्षेत्र में जाटव–दलितों का मायावती का समर्थन आधार किसी भी उम्मीदवार के लिए अन्य जातियों का पिरामिड बनाने और संभवतरू निर्वाचित होने के लिए पर्याप्त मजबूत आधार था।

सबसे पहले, 2022 के यू.पी. चुनावों में उनका वोट शेयर 2007 में 30.4 प्रतिशत के शिखर से घटकर 12.9 प्रतिशत हो गया। लेकिन मायावती अभी भी कुछ हद तक एजेंसी की कमान संभालती हैं और गठबंधन का हिस्सा बनकर उन्होंने जो पूंजी अर्जित की है, उसे कम नहीं करना चाहेंगी, जो उनके सहयोगियों को उनके वोटों का शिकार करने की अनुमति देता है, जैसा कि वे अतीत में करते थे।

याद रखें, मायावती के वोट उनके सहयोगियों को आसानी से स्थानांतरित हो जाते हैं, भले ही वे सामाजिक रूप से अनुकूल न हों। सपा या भाजपा के लिए इसका जवाब देना मुश्किल है। बहरहाल, पिछले 5 वर्षों से एक तरह से वैरागी बने रहने और आंदोलन की राजनीति से दूर रहने के बाद, बसपा में आग फूंकना एक लंबी चुनौती होगी। मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त किया। अपनी बुआ की तरह आकाश अब तक राजनीति की गर्मी और धूल से दूर रहा है, क्योंकि दलितों को शायद एक विकल्प की तलाश करनी होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)
(साभार एक्सप्रैस न्यूज)

खुशहाली के सूचकांक में भी हो बढोत्तरी

–सुरेश सेठ–

हम पांचवीं आर्थिक महाशक्ति से तीसरी और फिर दुनिया की पहली आर्थिक महाशक्ति 2047 तक बनने का सपना भी संजोए हैं। खबर है कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर पांच वर्ष तक चीन से तेज रहेगी। 2028 तक 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर भारत हासिल कर सकता है। यह बात अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कही है। भारत ने विश्वव्यापी आर्थिक मंदी को छका दिया। देखते ही देखते भारत न केवल डिजिटल हो गया बल्कि इंटरनेट की ताकत में उसका कोई जवाब नहीं। वे दिन गए जब भारत को अल्पविकसित देश मानकर उपेक्षित कर दिया जाता था। आज भारत उच्च मध्यवर्ग की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

साक्ष्य के लिए कहा जाता है कि पिछले एक–दो साल के लोगों का उपभोग तेवर देख लीजिए। सबसे अधिक खरीदारी बड़ी कारों और बड़े फ्लैटों की ही रही है। चाहे इसके बरक्स देश की मूलभूत आवश्यकताओं के लिए मांग कम प्राप्त हो रही है। शायद इसका कारण यह है कि देश की बहुत बड़ी आबादी जीवन निर्वाह से भी निचले स्तर पर जीती है और महंगाई की वजह से वह अधिक मांग करने के काबिल नहीं। लेकिन निजी क्षेत्र की अभूतपूर्व तरक्की के कारण सारी मांग उच्च मध्यवर्ग की वस्तुओं पर केन्द्रित हो गई है। हमारे विचार में यह एक असंतुलित मांग का पैमाना है। लेकिन इस कृषि प्रधान देश में कृषि की विकास दर उत्साहजनक नहीं है। इसके अलावा मूलभूत आर्थिक ढांचे के विकास के लिए बुनियादी उद्योगों के विकास की जरूरत होती है। नये आंकड़े बता रहे हैं कि बुनियादी उद्योगों की तरक्की में वह चमक नजर नहीं आ रही है जो स्थाई रूप से विकसित एक देश में होनी चाहिए। हम जो भी तरक्की देख रहे हैं, उसके मूल में तीन क्षेत्र हैं रू सेवा क्षेत्र, पर्यटन क्षेत्र और इसके अंतिरिक्त आईटी सॉफ्टवेयर क्षेत्र। लेकिन वहां तरक्की के आसार नहीं बल्कि छंटनी के अवसर पैदा हो रहे हैं। और सेवा क्षेत्र में भी सुस्ती नजर आ रही है। जबकि सेवा क्षेत्र से ही हमें मिलता है रोजगार। बार–बार घोषणा करने के बावजूद हम अपने देश में लघु और कुटीर उद्योगों का विकास नहीं कर पाए जो कि रोजगारपरक उद्योग होते हैं।

इसके साथ ही हम खेतीबाड़ी को फसलों के फिनिश प्रोडक्ट्स यानी विनिर्माण उद्योग के साथ भी जोड़कर कस्बों में एक नई औद्योगिक दुनिया नहीं बसा पाए, जो छोटे उद्योगपतियों की दुनिया हो और बहुत लोगों को रोजगार दे। अब सेवा क्षेत्र की यह सुस्ती खेतीबाड़ी में अपेक्षित वृद्धि का न होना और बुनियादी उद्योगों के विकास में चमक का अभाव किसी आसन्न संकट की ओर इशारा भी कर सकता है कि यह 8 प्रतिशत विकास दर स्थायी नहीं। कहा जा रहा है कि हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर कर दिया। यह भी कहा जा रहा है कि बेरोजगारी का आंकड़ा कम होकर 3.1 प्रतिशत पर आ गया है लेकिन नई शिक्षा प्राप्त युवकों को सेवा क्षेत्र और आईटी क्षेत्र में छंटनी का सामना करना पड़ रहा है। उद्योग क्षेत्र का प्रदर्शन भी इस वर्ष की तीसरी तिमाही में उत्साहजनक नहीं। यदि देश के मूल धंधे कृषि में अपेक्षित विकास प्राप्त नहीं कर पाते, उद्योगों में वह तरक्की नहीं मिलती कि जो बेकारों को रोजगार दे सके।

आज भी भारत आयात आधारित अर्थव्यवस्था है, निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था नहीं बन पाया। इसलिए जरूरी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की आर्थिक प्रवृत्ति की पहचान की जाए। यह समझा जाए कि हमारा मूल धंधा खेतीबाड़ी है। आज भी देश की 50 प्रतिशत जनसंख्या खेतीबाड़ी में लगी हुई है लेकिन सकल घरेलू उत्पादन या जी.डी.पी. में इसका योगदान घटकर केवल 17 प्रतिशत क्यों हो गया, यह बात सोचने योग्य है। इसका कारण यह है कि आज भी जोतें 2 एकड़ से नीचे और अनार्थिक हैं। हमने सहकारी खेती का वह मूलमंत्र अभी तक सीखा नहीं, जिसने इसराइल में कायाकल्प कर दिया था। सवाल है श्रमशक्ति का उचित इस्तेमाल देश में क्यों नहीं होता? क्यों इस श्रमशक्ति का एक बड़ा हिस्सा विदेशों में पलायन को विवश है।

कर्ज से परेशान व्यापारी ने किया आत्महत्या

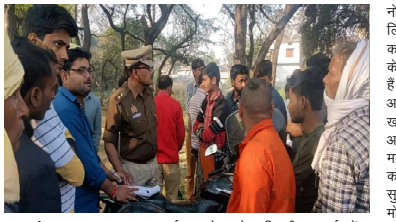

संवाददाता–बहराइच। कर्ज से परेशान कपड़ा व्यापारी ने फांसी के फंदे से लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। फंदे लटकने के बाद रस्सी भी टूट गई। जिससे उसका शव जमीन पर पड़ा मिला। उसके पास से मिले सुसाइड नोट में व्यापारी ने लिखा कि बजाज फाइनेंस की किस्त जमा करने के बाद भी खाते से पैसा काट लेते हैं। खाते से 60 हजार रुपए काट लिया। हमारा घाटा लग गया है। मेरे पास अब कोई रास्ता नहीं है।

बहराइच जिले के विशेश्वरगंज थाना के गांव रनियापुर के रहने वाले अशोक तिवारी 68 वर्ष गोंडा जिले के कौड़िया कस्बा में किराए की दुकान लेकर कपड़े का व्यापार करते थे। रात को दुकान में ही रहते थे। सोमवार को दुकान से करीब 100 मीटर की दूरी पर रेलवे कंपाउंड में लगे बबूल के पेड़ में फांसी के फंदे से लटक कर अपनी जान दे दी।

हालांकि फंदे पर लटकाने के बाद रस्सी टूट गई। जिससे उनका शव दूसरे दिन जमीन पर पड़ा मिला। सुबह जब लोगों ने देखा तो पुलिस और परिजनों को सूचना दी गई। मृतक व्यापारी के पास से एक सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में उसने लिखा है कि बजाज फाइनेंस से कर्ज लिया था। किस्त जमा करने के बाद भी खाते से पैसा काट लेते हैं। यदि दूसरे का पैसा खाते में आता है। उसे भी काट लेते हैं। खाते से 60 हजार रुपए काट लिया। अब मेरा खाता बंद हो गया। उसमे मात्र 100 रुपये हैं। मेरे पास अब कोई रास्ता नहीं बचा है। मृतक ने सुसाइड नोट में अपने घर के कई मोबाइल नंबर भी दिए और लिखा कि इसी पर सूचना दे देना।

मृतक व्यापारी ने अपने सुसाइड नोट में आगे लिखा कि घरवालों मुझे माफ कर देना। अब हमारे पास कोई रास्ता नहीं बचा है। मजबूरी में यह कदम उठाया है। निवेदन है कि अपनी अम्मा का ख्याल रखना। और उन्हें समझना ताकि उनका अब कोई सहारा नहीं है। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल पर पहुंचे परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। पूरे गांव में सदमे का माहौल है।

चुनाव में अराजकता फैलाने वालों की खैर नहीं –डीएम

संवाददाता–बलरामपुर। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सोमवार को उतरौला कस्बे में जिलाधिकारी अरविन्द कुमार व पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने सुरक्षा बलों के साथ फ्लैग मार्च किया। डीएम व एसपी ने असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के साथ जनमानस को शांति व सुरक्षा का संदेश दिया। गोंडा लोकसभा के उतरौला विधानसभा क्षेत्र को मतदान के लिए अतिसंवेदनशील माना जाता है। जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद सिंह ने लाउडस्पीकर से संदेश दिया कि चुनाव में अराजकता फैलाने वालों की खैर नहीं। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें गोली भी मारी जा सकती है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने केंद्रीय सशस्त्र बल के साथ नगर के श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौराहे से मुख्य बाजार हाटन रोड, गोंडा मोड़, दुरूखहरण नाथ मंदिर, बरदही बाजार, बाबा फक्कड़ दास चौराहे से पुलिस बूथ सहित अन्य निकट क्षेत्र में पैदल मार्च किया। डीएम व एसपी ने बताया कि आम नागरिक को मतदान में किसी भी तरह से समस्या नहीं होनी चाहिए। चुनाव निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से हो। कोई व्यक्ति किसी पर दबाव न डाले। असमाजिक तत्वों अथवा दंगा फसाद जैसी घटनाओं पर पूर्ण नियंत्रण रखा जाएगा। यदि किसी व्यक्ति द्वारा ऐसी सूचना मिली तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई होनी तय है। निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए पुलिस पहले से ही एलर्ट मोड में है। एसपी केशवा कुमार ने कहा कि खूफिया सूत्रों से गांव व कस्बों सहित सभी क्षेत्रों में नजर रखी जा रही है। चुनाव शांति पूर्ण ढंग से संपन्न कराना हम सभी का लक्ष्य है। इस अवसर पर एसडीएम उतरौला अवधेश कुमार, तहसीलदार शैलेन्द्र चन्द्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार दूबे, ईओ राजमणि वर्मा, सुभाष नगर चौकी इंचार्ज स्वतंत्र गुप्ता व मनीष मिश्रा समेत भारी संख्या में अर्द्ध सैनिक बल व पुलिस के जवान मौजूद रहे।

वाहन की चपेट में आने से मासूम की मौत

संवाददाता–महराजगंज। दुकान पर सामान लेने जा रही सात वर्षीय बच्ची को स्कार्पियों ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के बड़े पापा रामभरोस यादव ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पनियरा क्षेत्र के मुजुरी चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर निवासी रामनेवास यादव की सात वर्षीय पुत्री अभया सोमवार सुबह करीब नौ बजे सामान लेने दुकान पर गई थी। मृतका के बड़े पापा रामभरोस ने बताया कि बच्ची को मुजुरी की तरफ से आ रही स्कार्पियों ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बच्ची उछल कर सड़क के उस पार जा गिरी। आसपास के लोग उसे लेकर पनियरा में एक निजी चिकित्सक के वहां ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पिता रामनेवास यादव कर्नाटक में रहकर ट्रक चलाते हैं। रामनिवास के दो संतान थीं, जिसमें अभया यादव बड़ी थी और छोटा लड़का कन्हैया है, जो चार साल का है। मासूम की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष पनियरा निर्भय कुमार सिंह के अनुसार, तहरीर नहीं मिली है।

शिक्षक पूर्ण मनोयोग से करें शिक्षण कार्य– अर्जुन प्रसाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता– पौली (संतकबीर नगर)।। ब्लाक संसाधन केंद्र पौली के पूर्व माध्यमिक विद्यालय शनिचरा बाजार के सभागार में सोमवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें नवागत व निवर्तमान खण्ड शिक्षाधिकारी को स्मृति चिंह व अंगवस्त्र दे कर सम्मानित किया गया। साथ ही साथ खंड शिक्षा अधिकारियों ने अपने अनुभव को भी साझा किया।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात निवर्तमान खंड शिक्षा अधिकारी जनार्दन यादव को अंगवस्त्र व बुके देकर सम्मानित किया। लोगों को संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने कहा कि गुरुजन राष्ट्र निर्माता होते हैं। वही बच्चो को पौधो के नर्सरी की तरह देख भाल कर राष्ट्र निर्माता बनाते है। गुरु का स्थान सर्वोच्च होता है। इसलिए अपने दायित्व का निर्वहन निष्ठा से करें। मेरे सहयोग की जहा आवश्यकता पड़े मै सदैव ततपर रहूंगा।

निवर्तमान खंड शिक्षा अधिकारी जनार्दन यादव ने कहा कि यहां के शिक्षक सदैव पूर्ण मनोयोग से अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। हमें भी यहां के लोगों से कुछ नए करने का अनुभव मिला। मैं अन्य ब्लाकों में इसका उपयोग करूंगा। नम आंखों से शिक्षकों व बच्चो के उज्जवल भविष्य की कामना किया।

प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष उदय प्रताप यादव व राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के ब्लाक अध्यक्ष गंगेश चतुर्वेदी ने अपने संगठन के पदाधिकारी के साथ दोनों खंड शिक्षा अधिकारियों का स्वागत कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक विनोद पांडे ने किया।

कार्यक्रम में आर्दश मणि त्रिपाठी, एआरपी हरिराम यादव, राजेश गुप्ता, अजय मौर्य, भोलेंद्र यादव, महेंद्र प्रसाद, हरिओम त्रिपाठी, मो रऊफ, विपिन कुमार रतीभान चौधरी, राजेश गुप्त, मुबारक अली, दीपक यादव, बंटी, देवेंद्र कुमार, अजय निषाद, अजय पासवान, अवधेश पांडेय, राममोहन शुक्ल, राजकुमार यादव, रुद्रेश शरण सिंह, सभाजीत यादव, उर्मिला देवी, आरती देवी, रतना पांडेय, संध्या तिवारी, इफ्तजबी, इस्मिता यादव, पूनम देवी सहित तमाम शिक्षक मौजूद रही।

छुट्टा मवेशियों के हमले में किशोर गंभीररूप से घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। खेत में फसल की रखवाली करते समय छुट्टा मवेशियों ने एक किशोर को दौड़ा लिया। मवेशियों के हमले में किशोर गंभीररूप से घायल हो गया। आनन फानन में घायल किशोर को सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां से उसे रेफर कर दिया गया।

इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम सौरूपुर बक्सरिया निवासी शाह मोहम्मद का 17 वर्षीय पुत्र अजमल सोमवार को खेत में फसल की रखवाली करने गया था। दोपहर में कुछ मवेशी उसके खेत में जाने लगे तो उसने उन्हें भगाने का प्रयास किया। इस पर मवेशियों ने अजमल को दौड़ा लिया और उठाकर पटक दिया। इससे गंभीररूप से घायल हो गया। शोर मचाने पर आस पास खेतों में मौजूद किसान दौड़कर घटनास्थल पर पहुंचे और लाठी डंडे से मवेशियों को खदेड़ा तब जाकर किशोर की जान बच पाई। लोगों ने एम्बुलेंस बुलाकर घायल को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद घायल को जिला चिकित्सालय बहराइच रेफर कर दिया गया।

एनएसएस छात्रों ने रैली निकाल शिक्षा के प्रति किया जागरूक

संवाददाता–बलरामपुर। श्रीराम तीर्थ चौधरी पीजी कॉलेज के स्नातक छात्र–छात्राओं ने सोमवार को बनघुसरा ग्राम सभा में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत साप्ताहिक शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि सुनीता वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। शिविर के पहले दिन छात्र–छात्राओं ने कार्य योजना प्रस्तुत की। जिसमें चयनित ग्रामों में साक्षरता को लेकर जागरूकता अभियान के तहत रैली निकाल कर नौनिहालों को शिक्षित करने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया। रैली के दौरान स्लोगन के माध्यम से बच्चों को स्कूलों में नामांकन कराकर भेजने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सरस्वती वंदना, अतिथि स्वागत गीत, साक्षरता अभियान गीत से लोगो को एनएसएस के कार्यों से जोड़ने का प्रयास किया गया। महाविद्यालय प्रशासक एचडी वर्मा ने एनएसएस के इतिहास व लक्ष्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास व जीवन शैली की कुशलता के विकास को महत्व देने वाला संगठन है। जिसका थीम वाक्य समाजसेवा ही हमारा उद्देश्य है। जिससे बच्चे समाज के बीच में जाकर चीजों को सीख सकें। महाविद्यालय प्राचार्य डा. जितेंद्र सिंह ने कहा कि जीवन को समाज व राष्ट्र की सेवा में लगने से ही समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर कर सकते हैं और भारत एक विकसित देश बन सकता है। कार्यक्रम को शिवा कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्राचार्य डा. पवन नन्दा ने भी सम्बोधित कर लोगों को जागरूक किया। एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी आरएस सिंह व संजय यादव ने सभी अतिथियों का बैज लगाकर स्वागत किया। इस अवसर पर संदीप यादव, अंशु वर्मा, बीपी श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव, राधे कृष्ण श्रीवास्तव, माधवी सिंह, दुर्गेश त्रिपाठी, श्रीकांत विमल, मंसाराम यादव, बच्चाराज वर्मा सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

परामर्श के साथ वितरित की गई दवाएं

संवाददाता–श्रावस्ती। 62वी वाहिनी एसएसबी की ओर से सोमवार को तुरुसमा में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। साथ ही जरूरत के अनुसार दवाएं भी निशुल्क बांटी गई। शिविर में सीमावर्ती गांव के लोग इलाज कराने पहुंचे। इस दौरान उपकमांडेन्ट डा अजीत ने पहले ग्रामीणों से उनकी स्वास्थ्य समस्या की जानकारी ली। इसके बाद स्वास्थ्य की जांच कर जरूरत के अनुसार दवाएं मुहैया कराई। उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी अन्य परामर्श भी दिए और मौसम जनित बीमारियों जैसे सर्दी जुकाम, खांसी, मलेरिया, डेंगू, बुखार आदि से बचाव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए खान पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। नशे से हमेशा दूर रहना चाहिए। नशा करने से सेहत को हानि पहुंचती है। इस मौके पर सहायक कमांडेन्ट के एच नाबाचंद्र सिंह, आरक्षी राजेश कुमार, आरक्षी संजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

जीजा के भाई की मोहब्बत में युवती ने सबकुछ कर दिया कुर्बान, कुछ दिन बाद खुल गई प्रेमी की पोल

संवाददाता–देवरिया। एक गांव की रहने वाली युवती का अपने जीजा के भाई के साथ कई दिनों से प्रेम–प्रसंग चल रहा था। उसकी मुलाकात बहन की शादी के दौरान हुई थी। युवती ने प्रेमी पर सबकुछ कुर्बान कर दिया। दोनों की मुलाकातें खत्म नहीं हुईं। युवती युवक के साथ शादी करना चाहती थी, लेकिन उसे ऐसी बात पता चली जिसे सुनकर उसके होश ही उड़ गए। मामला तब खुला जब केस थाने पहुंचा। हालांकि अभी युवती की ओर से मुकदमा दर्ज नहीं करवाया गया है। सुराली थाना क्षेत्र के एक गांव में लड़की की बारात आई थी। जिस लड़की की बारात आई थी उसके देवर के साथ उसकी छोटी बहन को मोहब्बत हो गई। दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। दोनों एक–दूसरे से मिलने लगे। युवक भी युवती से मिलने के लिए अक्सर उसके गांव आता था। युवती युवक से बेपनाह मोहब्बत करने लगी थी लेकिन युवती को युवक की धोखेबाजी का अंदाजा नहीं था। युवती ने बहन के प्रेमी पर अपना सबकुछ लुटा दिया। युवती और युवक के बीच शारीरिक संबंध भी बने। युवती ने जब उससे शादी करने को कहा तो वह टाल–मटोल करने लगा। इसी बीच युवक ने दूसरी युवती के साथ जाकर न्यायालय में कोर्टमैरिज कर ली। पीड़िता को जब इसकी जानकारी हुई तो वह सीधे थाने पहुंची। यहां युवक को बुलाया गया। युवक ने पुलिस के सामने पूरी बात बताई। युवती ने युवक के साथ शादी करने के लिए दबाव बनाया, लेकिन उसने दूसरी शादी करने से इनकार कर दिया। थाने में दोनों के बीच काफी हंगामा भी हुआ, लेकिन बात नहीं बनी। पुलिस का कहना है कि अभी युवती की तरफ से कोई केस दर्ज नहीं करवाया गया है। युवती अगर मुकदमा दर्ज करवाती है तो आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने क्रिटिकल मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया

संवाददाता–श्रावस्ती। आगामी लोकसभा चुनाव को प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आ रहा है। 25 मई को छठवें चरण के तहत होने वाले मतदान को देखते हुए डीएम व एसपी लगातार संवेदनशील व अतिसंवेदन शील मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। सोमवार एसपी ने कई मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया और गांव में लोगों से मिल कर शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की।

पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने थाना सिरसिया क्षेत्र स्थित मतदान केन्द्र प्राथमिक विद्यालय पटखौली व संविलियन विद्यालय टंगपसरी समेत अन्य क्रिटिकल व वेनरेबल मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर मतदान के दिन निर्भीक होकर शत– प्रतिशत मतदान करने की अपील की। उन्होंने मतदान केन्द्रों में बिजली, पानी, शौचालय आदि व्यवस्था की जानकारी ली। प्रभारी निरीक्षक सिरसिया भानु प्रताप सिंह को सभी तैयारियों को पूरा करने का निर्देश दिया। ग्राम टंगपसरी में वल्नरेबल प्रभावित मतदाता रामतीरथ व कलकलवा के वल्नरेबल प्रभावित मतदाता रामेश्वर यादव के घर जाकर उनका कुशलक्षेम जाना और उनसे चुनाव सम्बन्धी समस्या के बारे में जानकारी ली। दोनों मतदाताओं के परिजनों से बातचीत कर निर्भीक होकर मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। एसपी ने प्रभारी निरीक्षक सिरसिया को मतदाताओं को प्रभावित करने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई करने को निर्देशित किया। साथ ही वल्नरेबल के कारक उदय प्रताप व विवेक सिंह को चेतावनी भी दी गई।

पीस कमेटी की बैठक में शांति से बनाए रखने की अपील

संवाददाता–श्रावस्ती। आगामी त्योहार होली व ईद को लेकर सिरसिया थाने में सोमवार को पीस कमेटी की बैठक की गई। बैठक में लोगों से शांति तरीके से मिलजुल कर त्योहार मनाने की अपील की गई। साथ ही अराजकता फैलाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। बैठक की अध्यक्षता तहसीलदार भिनगा राघवेन्द्र पाण्डेय ने की। उन्होंने कहा कि सभी लोग होली तथा रमजान (ईद) जैसे एकता की मिशाल वाले त्योहार को भाईचारे के साथ मनाएं। कहीं भी कोई समस्या है या फिर कोई शिकायत है तो पुलिस को जरूर सूचित करें। त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था बिगाड़ने पर कार्रवाई होगी। प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह ने कहा कि क्षेत्र की जनता के साथ ही प्रधान की भी जिम्मेदारी बनती है कि होलिका दहन के रास्तों या अन्य कोई विवाद की स्थिति की संभावना हो तो तुरन्त जानकारी दें। जिससे समय रहते विवाद की स्थिति को सुलझाया जा सके। सभी लोग गिले शिकवे भूल कर त्योहार मनाएं। पुलिस हमेशा साथ है। लेकिन यदि माहौल खराब कराने की स्थिति बनी तो कार्रवाई भी सख्ती के साथ ही जाएगी। इस मौके पर बलदाऊ यादव, सुनील सिंह, जय प्रकाश यादव, सिराजुद्दीन, खलील अहमद, रमेश गुप्ता, शिव शंकर तिवारी, मुस्तकीम, छठी लाल, राजेश तिवारी, ओम प्रकाश गिरी, देवेन्द्र प्रताप, रियासत अली आदि मौजूद रहे।

त्याग तपस्या की भूमि अयोध्या के अनमोल रत्न थे सीताराम शरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। अयोध्या त्याग एवं तपस्या की भूमि है और उसके अनमोलरत्न थे लक्ष्मण किलाधीश स्वामी सीताराम शरण जी महाराज। महाराजश्री की 26 वीं पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह में चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए लक्ष्मण किला के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत मैथिली रमण शरण महाराज ने कहा कि श्री महाराज जी में विद्वता एवं रसिकता दोनों एक साथ विद्यमान रही। वह भगवान श्रीसीताराम एवं श्रीराम से जुड़े प्रसंगों को मधुर भाव से सुनाकर भाव विभोर कर देते थे। वह रामकथा की शास्त्रीय भावधारा के उत्तर भारत के विशिष्ट विद्वान थे और निरंतर सेवा करते रहते थे। वर्तमान समय में भी उन्हीं के पद चिन्हों पर चलते हुए लक्ष्मण किला पर उत्सव और सेवाएं निरंतर चलती रहती हैं। श्री महाराज जी के पुण्यतिथि समारोह में संत गृहस्थ राजनेता बड़े ही श्रद्धा पूर्वक लक्ष्मण किला पर पहुंचकर श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और प्रसाद को ग्रहण करते हैं क्योंकि यह वही स्थान है जहां श्री महाराज निरंतर तपस्या में लीन होकर के लोगों की सेवा करते रहते थे। लक्ष्मण किलाधीश महंत मैथिली रमण शरण के शिष्य सूर्य प्रकाश शरण ने पुण्यतिथि समारोह में पधारे सभी संतो अतिथियों का स्वागत सत्कार किया। जगतगुरु स्वामी रामदिनेशाचार्य, मंगल पीठाधीश्वर कृपालु राम भूषण दास महाराज, बालाजी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रामदास, महंत जनार्दन दास, महंत मनीष दास, महंत जन्मेजय शरण, महंत राम कुमार दास, हनुमानगढ़ी के पुजारी पार्षद रमेश दास, बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास नागा राम लखन दास, महंत शशिकांत दास, कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह,महंत संजय शुक्ला सहित हजारों संतों महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुजफ्फरनगर कांड को लेकर शिक्षकों का प्रदर्शन, मूल्यांकन का बहिष्कार

संवाददाता–बहराइच। मुजफ्फरनगर में ड्यूटी के दौरान शिक्षक की निर्मम हत्या के विरोध में सोमवार को जिले के दोनों केंद्रों पर पहुंचे शिक्षकों ने मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार कर दिया। नाराज शिक्षकों ने केंद्र परिसर में एकत्र होकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कहा कि ऐसे पुलिस कर्मी पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। ज्ञापन सौंपकर सभी शिक्षक उत्तरपुस्तिकाओं को छोड़कर वापस चले गए।

जिले में यूपी बोर्ड परीक्षा की कापियों का मूल्यांकन कार्य चल रहा है। इसके लिए राजकीय इंटर कॉलेज व राजकीय बालिका इंटर कॉलेज को मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है। सोमवार को काफी संख्या में शिक्षक सुबह नौ बजे से कॉपी जांच करने के लिए पहुंचे। तभी शिक्षकों को जानकारी हुई कि बनारस के शिक्षक को मुजफ्फरनगर में सिपाही ने गोली मार दी। जिससे शिक्षक की मौत हो गई। इस घटना के विरोध में जिले के शिक्षकों ने कार्य बहिष्कार कर दिया। सभी ने मूल्यांकन कार्य रोक कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सभी ने पुलिस और प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी किया। उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन कार्य बहिष्कार किए जाने की सूचना पर डीआईओएस नरेंद्रदेव पांडेय भी पहुंचे। शिक्षकों को समझाने का पूरा प्रयास किया, लेकिन साथी शिक्षक की मौत मामले में शिक्षक अपने फैसले पर अडिग रहे। माध्यमिक शिक्षक संघ ने मृत शिक्षक के परिजनों को एक करोड़ की मदद व परिवार को नौकरी दिए जाने की मांग की। इस दौरान राजेन्द्र प्रसाद, मनोज पाण्डेय, मुक्तेश्वर पोद्दार, राकेश सिंह, भीम सिंह, दिनेश कुमार प्रजापति, राहुल शुक्ला, जगजीवन राम समेत सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे। जिले के दोनों मूल्यांकन केंद्रों पर यूपी बोर्ड परीक्षा की कांपियों का मूल्यांकन कड़ी निगरानी में हो रहा है। पहले दिन दशवीं की 7056 तो बारहवीं की 2556 कांपियों का मूल्यांकन किया गया था। रविवार को दशवीं की 12996 व बाहरवीं की 11971 उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांन किया गया है। दो दिनों में दशवीं की 20052 व बारहवीं की 14527 कांपियां जांची जा सकी हैं। उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन में दशवीं के परीक्षक आगे चल रहे हैं।

प्रत्याशियों के हैंडबिल से लेकर पंडाल तक के रेट तय

संवाददाता–गोंडा। लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होने के बाद जिला प्रशासन चुनाव की तैयारियों में जुटा है। चुनाव प्रचार के लिए विभिन्न सामग्री की दरें भी तय कर दी गई हैं। इस पर उम्मीदवार ने अपने समर्थक को चाय पिलाई तो उसका दाम 10 रुपये के हिसाब से जोड़ा जाएगा। वहीं भोजन थाल के 100 रुपये तय किए गए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारीध्डीएम नेहा शर्मा ने बताया कि चुनाव आयोग ने प्रत्याशियों के लिए अधिकतम खर्च सीमा 95 लाख रुपये निर्धारित की है। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों के चुनाव खर्च की निगरानी के लिए टीमें गठित की गई हैं।

जिले में 25 लाख 32 हजार 566 मतदाता हैं। वहीं, गोंडा संसदीय सीट पर 17 लाख से अधिक लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी जंगजीत वर्मा ने बताया कि प्रत्याशियों के खर्च की दरें जारी कर दी गई हैं। इसमें हैंडबिल से लेकर हेलीपैड का खर्च शामिल है। चुनाव में प्रत्याशियों को खर्च का विवरण व्यय कमेटी के समक्ष समय–समय पर प्रस्तुत करना होगा।

20 साल में तीन गुना बढ़ी खर्च सीमारू लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी अधिकतम 95 लाख रुपये ही प्रचार के दौरान खर्च कर पाएंगे। इसमें दो दशक में तीन गुना की बढ़ोतरी नजर आती है। 2004 के लोकसभा चुनाव खर्च की सीमा 30 लाख रुपये थी। जो अब बढ़कर 95 लाख रुपये हो गई है।

बाजार मूल्य पर तय किए गए दाम रू लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों के खर्च की सीमा में 95 लाख रुपए में सामग्रियों को बाजार मूल्य पर निर्धारित दामों को शामिल किया है। इसमें प्रति चाय 10 रुपए, समोसाध पकौड़ी 10 रुपये, भोजन थाल 100 रुपये, लंच बॉक्स 50 रुपये, एम्पलिफायर और माइक्रोफोन सहित लाउडस्पीकर का किराया 800 रुपये प्रतिदिन, पोडियम पंडाल आठ रुपये प्रति स्क्वायर फीट, कपड़े का बैनर सात रुपए प्रति वर्ग फीट, कपड़े का झंडा 500 रुपए सैकड़ा, प्लास्टिक झंडा 250 रुपये सैकड़ा, हैंडबिल 350 से 450 रुपए प्रति हजार, प्रति पोस्टर 6 रुपए की दर तय की गई है।

वाहनों का किराया भी तयरू वाहनों के भाड़े में ट्रक का 2750, एसी कार के 1650 रुपए, जीप–टैंपो–नान एसी कार के 1100, ट्रैक्टर के 2800, बैट्री रिक्शा 650, मोटर साइकिल का किराया 300 रुपये प्रति दिन के हिसाब से दामों को तय किया है। निर्वाचन आयोग ने बारीकी से प्रचार प्रसार की चीजों को ध्यान में रखते हुए ट्यूबलाइट 12 रुपये प्रतिदिन, एलईडी बल्व पांच रुपये प्रतिदिन, हैलोजन 60 रुपये प्रतिदिन, जनरेटर 5 केवीए के 600 रू और 10 केवीए के 1000 रुपए प्रतिदिन डीजल रहित शामिल है। बड़े नेताओं के आगमन में प्रत्याशियों को 20गुणा 20 का पक्का हेलीपैड निर्माण के 45 हजार निर्धारित किए हैं।

होटल में कमरा लेने की सूचना देना होगी रू जिला निर्वाचन अधिकारीध्डीएम नेहा शर्मा ने बताया कि किराएदार रखने से लेकर होटल में कमरा किराए पर लेने की अनुमति लेनी होगी। चुनाव में प्रदर्शन, धरना, रैली, जुलूस बिना अनुमति नहीं होंगे। उन्होंने लाउड स्पीकर के लिए भी लेना होगी अनुमति। प्रदर्शन में अस्त्र–शस्त्र पर प्रतिबंध। बिना अनुमति के पंडाल नहीं बना नहीं बना सकेंगे।

पंडाल मंच निर्माण 8 रुपये प्रति वर्ग फीट, पंखा सीलिंग 35 रुपये प्रतिदिन, पंखा पैडिस्टल 50 रुपये प्रतिदिन, कूलर 60 रुपये प्रतिदिन, एसी 1500 रुपये प्रतिदिन, टेबल 50 रुपये प्रतिनग, परदा 100 रुपये प्रतिनग, टी–शर्ट 100 रुपये प्रति पीसी, पार्टी टोपी 30 रुपये प्रति पीस, पार्टी गमछा 100 रुपये प्रति पीस दाम भी तय हुए हैं

शिक्षा के साथ–साथ बच्चे रहें संगठित –अजय

संवाददाता–बलरामपुर। विश्व मौर्य परिषद सामाजिक संगठन के नेतृत्व में जिला स्तरीय गोष्टी एवं सम्मान समारोह का आयोजन सोमवार को पचपेड़वा के गोकुल मैरिज हॉल में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संगठन प्रदेश सलाहकार अजय मौर्य रहे। कार्यक्रम में बच्चों की शिक्षा के साथ उन्हें संगठित रहने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला प्रभारी स्वामीनाथन मौर्य, जिला उपाध्यक्ष अरविंद मौर्य व अशोक मौर्य ने भगवान बुद्ध एवं सम्राट अशोक के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। प्रदेश अध्यक्ष ने बच्चों की शिक्षा के साथ–साथ संगठित रहने के प्रति जोर दिया। जिला प्रभारी अरविंद मौर्य ने समाज को सशक्त बनाने के लिए राजनीतिक स्तर पर मजबूती की बात कही।

शैक्षिक भ्रमण कर प्राप्त की ऐतिहासिक जानकारी

संवाददाता–श्रावस्ती। बौद्ध तपोस्थली श्रावस्ती छात्र छात्राओं से गुलजार रही। परिषदीय विद्यालय के छात्रों का दल शैक्षिक भ्रमण पर श्रावस्ती पहुंचा। छात्रों ने तपोस्थली के विभिन्न स्थलों का भ्रमण कर उसकी ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त की।

इकौना शिक्षा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बंजरही के छात्र छात्राओं को शैक्षिक भ्रमण कराया गया। सोमवार को प्रधानाचार्य बृजेश पासवान के साथ विद्यालय के छात्र व छात्राओं ने बौद्ध तपोस्थली का भ्रमण किया। इस दौरान सहेट महेट, गंधकुटी, शिवली स्तूप, आनंद बोधि, कौशांबी कुटी, सूर्य कुंड, अंगुलिमाल स्तूप, बनीनाथ महादेव मंदिर, विश्व शांति घंटाघर, दिगंबर जैन मंदिर और ओड़ाझार आदि का भ्रमण किया। इस दौरान प्रधानाचार्य ने छात्र छात्राओं को तपोस्थली की ऐतिहासिकता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को भ्रमण का उद्देश्य बताते हुए कहा कि ऐसे भ्रमण से बच्चों को पुरातन चीजों को जानकारी मिलती है। साथ ही उन्हें ऐतिहासिक स्थलों का पूर्ण ज्ञान होता है। श्रावस्ती भगवान बुद्ध की तपोस्थली है। यहां देश–विदेश के लोग आते हैं और पूजा अर्चना करते हैं। भारतीय पुरातत्व विभाग के लोग तपोस्थली के विभिन्न स्थलों को संजोते हैं और उसका संरक्षण करते हैं। इस दौरान अभय कुमार, संध्या गोस्वामी, उत्तिम देवी व छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

दूसरे समुदाय के युवकों ने जलाया होली का सम्मत, रोष

संवाददाता–गोरखपुर। गोला के गौर खास के ग्रामीणों ने गांव में दूसरे समुदाय के युवकों पर रविवार की रात सम्मत जलाने के आरोप पर मुकदमा दर्ज किया गया है। लोगों में सम्मत जलाने को लेकर रोष है।

तहरीर में महेंद्र कुमार, शैलेश, विशाल सिंह, रविंद्र सिंह, आरके सिंह, गंगा सागर सिंह, सतीश कुमार, विपिन कुमार आदि दो दर्जन लोगों ने कहा है कि गांव के दक्षिण होली का सम्मत गाड़ा गया था। रविवार की रात दूसरे समुदाय के लोगों ने रात में धार्मिक स्थल से लौटते वक्त उसे जला दिया। जब सम्मत धू–धू जलने लगा तो गांववालों को पता चला। इससे उनमें रोष फैल गया। सूचना पर चौकी इंचार्ज व कुछ सिपाही पहुंचे और आरोपी तीन लड़कों को पकड़कर चौकी ले गए। रात में ही सबको समझा बुझाकर दूसरा सम्मत गड़वा दिया गया। थानाध्यक्ष अवधेश चंद्र मिश्र ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय आईएसओ में हुआ पंजीकृत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु की गुणवत्ता को परखने के बाद आईएएफ की संस्था की ओर से विश्वविद्यालय को आईएसओ प्रमाणपत्र विश्वविद्यालय को प्रदान किया गया है। कार्य परिषद की बैठक में कुलपति को आईएसओ प्रमाणपत्र कुलसचिव ने हस्तगत किया। दिसंबर 2023 से ही विश्वविद्यालय इसकी तैयारी कर रहा था। कुलसचिव ने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय के लिए मील का पत्थर बताया।

यातायात ड्यूटी पर तैनात पीआरडी जवान की मौत, बस स्टेशन पर कर रहा था ड्यूटी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। कोतवाली अकबरपुर के बस स्टेशन क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात पीआरडी जवान की सोमवार दिन में बैरियर लगाने के दौरान मौत हो गई। उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। थाना क्षेत्र जहांगीरगंज के इसौरी नसीरपुर गांव निवासी दीनानाथ यादव (56) पीआरडी जवान थे। उनकी ड्यूटी बस स्टेशन क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारु करने में लगी थी। प्रतिदिन की तरह सोमवार सुबह वह यहां पहुंचे और अपनी ड्यूटी संभाल ली। दोपहर बाद यातायात सुचारु करने के लिए वह बैरियर लगाने लगे। इसी दौरान अचानक उन्हें चक्कर आया और सड़क पर ही गिर पड़े। यातायात प्रभारी जयबहादुर यादव ने अपने वाहन से आननफानन में अचेत दशा में जिला अस्पताल पहुंचाया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चिकित्सकों के अनुसार प्रथमदृष्टया हार्ट अटैक से मौत होना प्रतीत हो रहा है। इस बीच जानकारी होते ही जिला युवा कल्याण अधिकारी अतुल कुमार सिंह जिला अस्पताल पहुंचे। परिजनों को ढांढस बंधाया। आश्वस्त किया कि परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाएगी साथ ही जो भी आर्थिक सहयोग नियमानुसार होगा उसे किया जाएगा।

पकड़ी गई एक करोड़ की अफीम, बिहार निवासी हैं दोनो तस्कर

संवाददाता–गोरखपुर। दोनों बिहार राज्य के रहने वाले हैं। एसपी ने बताया कि पुलिस टीम कंपनी बाग पर चेकिंग कर रही थी। इसी बीच एटीएस गोरखपुर द्वारा सूचना मिली कि एक सफेद रंग की कार गोरखपुर होते हुए लखनऊ की तरफ जा रही है, जिसमें मादक पदार्थ लगा हुआ है। इसके बाद जिले की पुलिस टीम एक्टिव हो गई और बड़े बन टोल प्लाजा के समीप से कार में रखे मादक पदार्थ सहित दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया।

जिला पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि पुलिस टीम कंपनी बाग पर चेकिंग कर रही थी। इसी बीच एटीएस गोरखपुर द्वारा सूचना मिली कि एक सफेद रंग की कार गोरखपुर होते हुए लखनऊ की तरफ जा रही है, जिसमें मादक पदार्थ लगा हुआ है। इसके बाद जिले की पुलिस टीम एक्टिव हो गई और बड़े बन टोल प्लाजा के समीप से कार में रखे मादक पदार्थ सहित दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया।

दोनों ने बताया कि हम दोनों नेपाल के भिया मार्केट से मादक पदार्थों को प्राप्त कर लखनऊ और आसपास की जगहों पर बेचने का काम करते हैं और इसी काम के लिए हम दोनों अपने साथ अफीम लेकर जा रहे थे। पुलिस को पीछा करते देखा तो दोनों बैग जिसमें बंडल बनाकर अफीम रखी थी उसे लेकर भाग रहे थे और पकड़े गए। गिरफ्तार करने वालों में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली विजय कुमार दूबे, एसओजी प्रभारी जनार्दन, एटीएस टीम के उप निरीक्षक सूरज कुमार तिवारी, बृजमोहन सिंह, शशिकान्त आदि शामिल रहे।

गिरफ्तार आरोपियों का नाम मुकेश कुमार कुशवाहा व दीपेंद्र प्रसाद है। दोनों बिहार राज्य के रहने वाले हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटकता मिला वृद्ध का शव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के इटवा–बेलवा मार्ग पर बिशुनपुर मेहदानी गांव के पास सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में आम के पेड़ से नायलॉन की रस्सी के सहारे लटकता वृद्ध का शव मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सोमवार की भोर में बगल के गांव सेहरी सिंघा के बच्चे शौच करने गए हुए थे। उन्होंने पेड़ पर शव लटका देख गांव में आकर इसकी जानकारी दी। मामले की जानकारी होते ही घटना स्थल पर भीड़ लग गई। मृतक की पहचान डुमरियागंज थाना क्षेत्र के मोतीगंज निवासी खुदुर (70) पुत्र बहरईची के रूप में हुई। किसी ने घटना की सूचना पुलिस को दी। खुदुर सेहरी सिंघा गांव में अपनी बेटी प्रीति के घर पर रह रहे थे। बेटी ने बताया कि पिता खुदुर तीन, चार वर्ष से मेरे घर पर रह रहे थे। मांस, मदिरा, गांजा का सेवन अधिक करते थे। रविवार शाम भोजन करने के बाद घर के एक कमरे में सोने चले गए और हम अपने बच्चों के साथ दूसरे कमरे में सोने चली गई। सोमवार सुबह जब सोकर उठी तो वह बिस्तर पर नहीं थे। थोड़ी देर बाद ग्रामीणों ने बताया कि उनका शव सड़क के किनारे आम के पेड़ पर रस्सी के सहारे लटका हुआ है। वही सूचना पर पहुंची गोल्हौरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही घटना स्पष्ट हो सकेगा। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है।

रैली निकाल स्वच्छ भारत अभियान का संदेश

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के एचआरपीजी कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई के आयोजित शिविर में स्वयं सेवकों ने रैली निकाली। लोगों को स्वच्छ भारत अभियान का संदेश दिया। रैली में स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं द्वारा स्वच्छ भारत विषय पर हर व्यक्ति का एक ही सपना, स्वच्छ बने भारत अपना, के नारे से शहर गूंज उठा। वही स्वच्छता को अपनाना है गंदगी दूर भगाना है जैसे अनेक स्लोगन के साथ रैली निकालकर स्वच्छता का संदेश दिया। इससे पूर्व स्वयं सेविका ज्योति पांडेय व अनामिका पांडेय ने एनएसएस का लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन कृशांगी सिंह ने किया। कार्यक्रम के बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता असिस्टेंट प्रोफेसर विजय बहादुर अर्थशास्त्र विभाग ने एनएसएस के ध्येय वाक्य में नहीं आप के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया। मिट्टी द्वारा निर्मित सुराही के शीतलता के गुण को सीखने की प्रेरणा दी। शिक्षाशास्त्र के असिस्टेंट प्रोफेसर फखरे आलम ने शिक्षार्थ आईये व सेवार्थ जाइये जैसे सूत्र वाक्य के अर्थ का विशद विवेचन किया। सामर्थ्य के अनुसार अपने लक्ष्य को चुनने का तरीका बताया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संयोजन शशिकांत राव के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन महात्मा गांधी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी विनय कुमार सिंह ने किया। संत कबीर इकाई के कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार मिश्र ने कल की रूपरेखा बतायी।

जासूसी मामले में पाकिस्तानी को हाईकोर्ट ने किया दोषमुक्त

संवाददाता–गोरखपुर। आरोपी पाकिस्तानी नागरिक मोहम्मद मसरूर उर्फ मंसूर अहमद उर्फ गुड्डू को कोर्ट से रिलीफ मिलने के बाद वतन वापसी की उम्मीद जग गई है। हालांकि, बिना वीजा पासपोर्ट के एंट्री करने के मामले में कोर्ट ने केंद्र सरकार पर अंतिम फैसला छोड़ा है। अब कोर्ट के आदेश पर जेल प्रशासन ने विदेश मंत्रालय से प्रत्यर्पण के लिए पत्राचार किया है, ताकि कानूनी कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाए और वह अपने देश लौट सके। जेल प्रशासन के मुताबिक, 2008 में बहराइच जिले से लगती नेपाल सीमा के रूपन्देही के रास्ते भारत में बिना वीजा, पासपोर्ट के एंट्री लेने के आरोप में पाकिस्तान के कराची का रहने वाला मंसूर अहमद पकड़ा गया था। पूछताछ में उसकी भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर शासकीय गुप्त अधिनियम, आपराधिक साजिश, बिना पासपोर्ट के प्रवेश सहित अन्य आरोपों में उसके खिलाफ पुलिस ने जांच कर चार्जशीट दाखिल की थी।

बहराइच कोर्ट ने सुनवाई के दौरान 9 अप्रैल 2013 को आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उसपर अर्थदंड भी लगाया गया था। इसके बाद प्रशासनिक आधार पर केंद्रीय कारागार वाराणसी से जिला कारागार गोरखपुर स्थानांतरित होकर गोरखपुर जेल में आ गया। इसके बाद हाईकोर्ट लखनऊ में उसका मामला चलने लगा। यहां कोर्ट ने सभी आरोप से दोषमुक्त पाते हुए बिना वीजा पासपोर्ट का ही दोषी पाया। इसकी तय सजा से अधिक समय जेल में रहने की वजह से उसे उसके देश भेजा जाना है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक दिलीप कुमार पांडेय ने बताया कि पाकिस्तानी नागरिक जासूसी व दूसरे मामलों में दोषमुक्त हो गया है। सिर्फ बिना वीजा और पासपोर्ट का दोषी पाया गया है, जिसकी तय सजा से अधिक समय वह जेल में रह चुका है। उसके पाकिस्तान प्रत्यर्पण किए जाने की प्रक्रिया की जा रही है। जेल प्रशासन की ओर से पत्राचार किया गया है।

विशेष सेमिनार में दी गई नए कानून की जानकारी

संवाददाता–गोरखपुर। देश में एक जुलाई 2024 से भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 लागू होगा। नए कानूनों के प्रमुख उद्देश्य, उसकी विषय वस्तु, प्रावधानों और इनके लागू होने से आपराधिक न्याय प्रणाली और कानून व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों और सुधारों की जानकारी देने के लिए विशेष सेमिनार का आयोजन सोमवार को पुलिस लाइन सभागार में किया गया। सेमिनार में गोरखपुर परिक्षेत्र के अपर निदेशक अभियोजन, गोरखपुर एवं संयुक्त निदेशक अभियोजन गोरखपुर के संयुक्त कायक्रम में अपर निदेशक अभियोजन आरके शर्मा, संयुक्त निदेशक अभियोजन पीपी मिश्रा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को संपादित कराया। इस दौरान देवरिया के संयुक्त निदेशक अभियोजन अतुल कुमार ओझा ने भारतीय न्याय संहिता 2023, ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी वीडी मिश्रा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और सहायक अभियोजन अधिकारी अजय कुमार तिवारी ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान अभियोजकगण, शासकीय अधिवक्तागण, विवेचक पुलिस अधिकारीगण को नए कानूनों के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन वीडी मिश्रा ने किया। सेमिनार में एसपी सिटी केके बिश्नोई ने नए कानूनों के संबंध में अपनी राय रखी। अभियोजन निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ के तत्वाधान में हुए आयोजन में सुरेन्द्र भास्कर, संजीव कुमार तिवारी, मनोज सिंह, मोहित पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0 211/2023

काशीराम आदि

बनाम

धुन्धी प्रसाद आदि

1. धुन्धी प्रसाद उम्र लगभग 68 वर्ष पुत्र गरीब (मृतक) 2. विजय बहादुर उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र रामरुप 3. राहुल उम्र लगभग 28 वर्ष 4. विकास उम्र लगभग 22 वर्ष 5. पंकज उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्रगण स्व0 उमाशंकर निवासीगण मौजा आमा तिवारी तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

6. सन्तराम 7. सूर्यनाथ पुत्रगण रूपई निवासीगण मौजा आमा तिवारी तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 08–04–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके का हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस (धारा–63 आनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1) न्यायालय– श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला–बस्ती

इजरा वाद सं0 391/11A/2023

थाना–हर्रैया

जिला–बस्ती

किरन देवी आदि

बनाम

संजय कुमार शर्मा

तारीख पेशी 15–04–2024

इजरा प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 (3) सी0आर0पी0सी0

विपक्षी–संजय कुमार शर्मा आयु 46 साल पुत्र स्व0 रुदल शर्मा निवासी ग्राम दुभरा थाना खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

विपक्षी

के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी. आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 04 मास के 15 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर

अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

हिंदुओं से लड़ रहे राहुल गांधी, खानदान भी मुस्लिम है –आचार्य सत्येंद्र दास

संवाददाता–अयोध्या। राहुल गांधी द्वारा 'शक्ति' पर दिए गए टिप्पणी के बाद विवादों में आ गए हैं। राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने उनके बयानों पर सवाल खड़े करते हुए हिंदू विरोधी बताया है। उन्होंने कहा है कि इन्हीं कारणों से देश ने राहुल गांधी को नकार दिया है। कांग्रेस के इस तरह के बयान से ही उनका पतन हो रहा है। शक्ति पर की गई टिप्पणी को लेकर रामजन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी ने कहा कि राहुल गांधी हिंदुओं से लड़ रहे हैं और वह खुद घोषित कर रहे हैं कि उनकी पार्टी मुस्लिम पार्टी है। उनके खानदान भी वैसे ही मुस्लिम हैं। वह हिंदू से लड़ते ही हैं। हमारे भगवान श्रीराम को भी नकार दिया काल्पनिक कह दिया। उनकी इन्हीं बातों के कारण देश ने उन्हें नकार दिया है। राहुल गांधी सड़क पर घूम रहे हैं और ऐसे ही वह सड़क पर घूमते रहेंगे। सनातन विरोधी के कारण उनकी पार्टी की दुर्दशा हो रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'शक्ति' टिप्पणी पर हनुमान गढ़ी मंदिर के मुख्य पुजारी महंत राजू दास ने भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जिस तरह से राहुल गांधी कहा कि कांग्रेस हिंदू धर्म से लड़ रही है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। एक तरफ राहुल गांधी देश को एकजुट करने की बात करते हैं। दूसरी ओर, उनका ध्यान इस बात पर है कि सनातन संस्कृति, हिंदुओं और हिंदू धर्म को कैसे नष्ट किया जाए... हिंदुओं को यह समझना होगा कि राहुल गांधी और कांग्रेस भारत, सनातन, हिंदू धर्म और अखंड भारत की राजनीति के लिए अच्छे नहीं हैं। कांग्रेस राष्ट्र विरोधी है और सनातन विरोधी है।"

पीएम नरेंद्र मोदी ने 'शक्ति' के मुद्दे पर विपक्षी गठबंधन इंडिया को घेरने की कोशिश की। उन्होंने तेलंगाना में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष ने शक्ति को खत्म करने के लिए घोषणा पत्र का ऐलान किया है। शक्ति के खिलाफ बोलने वाली की चुनौती स्वीकार है। पीएम ने कहा कि वह शक्ति के लिए अपना जीवन देने के लिए तैयार हैं। मुंबई के शिवाजी पार्क में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था, शहीद धर्म में शक्ति है, हम शक्ति के खिलाफ लड़ रहे हैं। सवाल है वह शक्ति क्या है। राजा की आत्मा ईवीएम में है, सही है। राजा की आत्मा ईवीएम में है और देश के हर संस्था में है। ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग हिन्दुस्तान की हर संस्था में है।

साक्षर बनने को दी परीक्षा

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के मेंहदावल ब्लाक के नौ केन्द्रों पर साक्षरता परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा में साक्षरता अभियान के दौरान प्रशिक्षित की गई निरक्षर महिलाएं शामिल हुईं। पर्यवेक्षक व नोडल पर्यवेक्षक के निगरानी में परीक्षा कराई गई। परीक्षा की कापियों को मेंहदावल ब्लाक संसाधन केन्द्र पर जमा कराया गया। बीईओ ज्ञानचंद मिश्र ने बताया कि ब्लाक क्षेत्र के निरक्षर महिलाओं की पहचान करने के लिए पूर्व में अभियान चलाया गया था। चिन्हित महिलाओं को वालिंटियरों द्वारा प्रतिक्षित किया गया था। इनके प्रशिक्षण को परखने के लिए ब्लाक क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय मेंहदावल व बनकटा तथा प्राथमिक विद्यालय इंदरपुर, तिवारीपुर, बेलौली, घूरापाली, पड़रिया के साथ ही उच्च प्राथमिक विद्यालय जब्बार व दुर्गजोत में साक्षरता परीक्षा कराया गया।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0 1416/2022

रोशन कुमार

बनाम

मिठ्ठू आदि

1. मिठ्ठू पुत्र रामरुप निवासी पिकौरा शिवगुलाम तप्पा हवेली पोस्ट गांधी नगर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 07–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 07 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके का हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव में निपुणता के गुर सिखाए

संवाददाता–गोरखपुर। ब्लाक संसाधन केंद्र पर समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत सोमवार को हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बाल विकास परियोजना अधिकारी डॉ. कुसुम गौड़ ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में विकसित बाल वाटिका में पूर्व प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को अक्षर व संख्यात्मक बोध कराना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे खंड शिक्षा अधिकारी कुंवर विक्रम पाण्डेय ने बताया कि बेसिक शिक्षा व बाल विकास पुष्टाहार विभाग के तालमेल से प्राथमिक कक्षा में प्रवेश पाने के पूर्व ही बच्चे के अंदर संख्या व अक्षर ज्ञान की न्यूनतम निपुणता हासिल हो सकेगा। शिक्षक संघ के ब्लाक मंत्री राम अयोध्या सिंह व जिला कार्य समिति की सदस्य किरन व वीके श्रीवास्तव के अलावा अरुण कुमार सिंह व संतोष कुमार सिंह ने क्षेत्र के नौ संकुल में अवस्थित बाल वाटिका व प्राथमिक विद्यालयों के पूर्व प्राथमिक छात्र, कक्षा 1, 2 व 3 के अभिमन्यु, श्रद्धा सिंह, सुंदर, अजीत निषाद, आलिया, अरुषि वर्मा, देवानंद निषाद व रंजीत मौर्य सहित कुल 45 छात्रों को निपुणता हासिल करने के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा विद्या की देवी सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर व द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन जयंती शुक्ला व प्रमोद सिंह ने किया। इस अवसर पर अभय श्रीवास्तव, बृजेश मणि त्रिपाठी, रामनेत सिंह, स्नेह लता शर्मा, अंजली सिंह, संजीत कुमार सिंह, किरन सिंह, जगदम्बिका मणि, गोविंद राजभर, पुष्पा मिश्रा, पुष्पा यादव, हरेंद्र कुमार मिश्रा, हेमंत कुमार यादव, अमिषा पटेल, हंसराज अत्रे, मीना त्रिपाठी, मंशा देवी सहित तमाम लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0 103/2023

नरेन्द्र पाल आदि

बनाम

सरकार उ0प्र0 आदि

1. सरकार उ0प्र0 वजरिए कलेक्टर बस्ती 2. उप जिलाधिकारी रुधौली बस्ती 3. तहसीलदार रुधौली जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

तारीख पेशी 23–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके का हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

क्षेत्रीय कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0

नवीन मण्डी स्थल– बस्ती

पत्रांक: नि0ब0/(ई–निविदा) 2024–716 दिनांक: 18.03.2024

–: ई–निविदा शुद्धि पत्र :–

कार्यालय पत्रांक नि०ब०/ (ई–निविदा)/ 2023–695 दिनांक 12.03.2024 द्वारा ई–टेंडरिंग के माध्यम से दिनांक– 19–03–2024 को ई–निविदा आमंत्रित की गयी थी। अपरिहार्य कारणों से निविदा अपलोड करने एवं खुलने की तिथि में आंशिक संशोधन करने के पश्चात सम्बन्धित निविदा अब वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर दिनांक–21.03.2024 को अपरान्ह 12.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है। जो दिनांक–21.03.2024 को 12.30 बजे से अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेगी। शेष नियम एवं शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

उप निदेशक (निर्माण)

तद्दिनांक

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट

अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 09450567450 9336715406,

ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com

bhartiyabasti@gmail.com